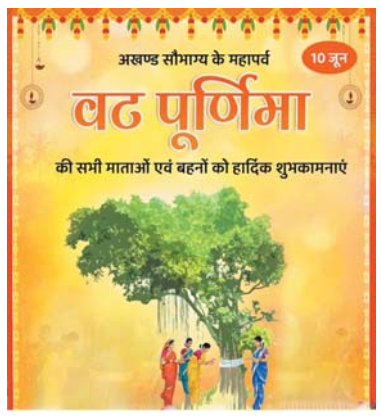


दैनिक
# सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 297/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, मंगलवार 10 जून 2025 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

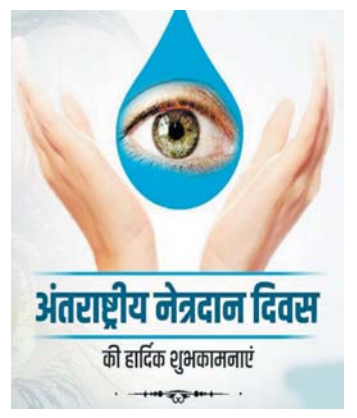


### डेलिगेशन ग्रुप अपनी-अपनी विदेश यात्रा की जानकारी शेयर करेंगे

# दुनिया को आतंकवाद पर संदेश देकर लौटे डेलिगेशन से आज मिलेंगे पीएम मोदी

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को ऑल-पार्टी डेलिगेशन से मुलाकात करने वाले हैं। यह मुलाकात शाम 7 बजे प्रधानमंत्री आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर होगी। इस मीटिंग में विदेश दौरे से लौटे सभी डेलिगेशन ग्रुप अपनी- अपनी विदेश यात्रा की जानकारी पीएम मोदी से शेयर करेंगे। बता दें कि सभी डेलिगेशन अलग-अलग देश जाकर ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद के खिलाफ भारत का जीरो टॉलरेंस का रुख बताने गए थे। केंद्र सरकार ने खुद ऑपरेशन सिंदूर के बाद अलग-अलग पार्टियों के 59 सांसदों को 33 देशों में भेजा था, ताकि वे दुनियाभर के सामने पाकिस्तान को बेनकाब कर सकें। अब सभी डेलिगेशन ग्रुप भारत लौट आए हैं, जिसके बाद आज शाम तक उनकी मुलाकात अब पीएम मोदी से

होगी। इस दौरान विदेश दौरे की रिपोर्ट पर फोकस किया जाएगा। जम्मू कश्मीर के पहलगाम के बेसरन घाटी में 22 अप्रैल को आतंकी हमला हुआ, जिसमें आतंकियों ने 26 पर्यटक को बेरहमी से मार दिया। इसके जवाब में ही भारत की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर लाया गया, जिसके तहत 7 मई को भारत ने पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी। इसके बाद से ही दोनों देशों के बीच सैन्य कार्रवाई शुरू हो गई थी और तनाव उच्च स्तर पर पहुंच गया था। इसके बाद दोनों देशों की सहमति के बाद सीजफायर लागू हुआ। भारत की तरफ से थ्आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस, आतंकवादियों का समर्थन कर रहे पाकिस्तान को बेनकाब करना, आतंक के खिलाफ दुनिया को एकजुट का संदेश, और पाकिस्तान को लेकर भारत की नीति के बारे में बताने के लिए सरकार ने 59 सांसदों को 33 देशों में भेजा। इसके तहत 7 डेलिगेशन बनें।

### रक्षा क्षेत्र में पिछले 11 वर्षों में की गई अभूतपूर्व वृद्धि की सराहना की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर भारत के रक्षा क्षेत्र में पिछले 11 वर्षों में की गई अभूतपूर्व वृद्धि की सराहना की। इसमें आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भरता पर दोहरे फोकस को रेखांकित किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, पिछले 11 वर्षों में हमारे रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं, जिसमें आधुनिकीकरण और रक्षा उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर बनने पर स्पष्ट ध्यान दिया गया है। यह देखकर खुशी होती है कि भारत के लोग भारत को मजबूत बनाने के संकल्प के साथ कैसे एकजुट हुए हैं! गौरतलब हो पीएम मोदी का यह पोस्ट 2014 से भारत की रक्षा क्षमताओं में आए बदलाव को उजागर करने वाले एक व्यापक राष्ट्रीय अभियान का हिस्सा था, जो प्रधानमंत्री मोदी के प्रधानमंत्री के रूप में पहले कार्यकाल की शुरुआत के साथ मेल खाता है। इससे स्पष्ट होता है कि रक्षा क्षेत्र में भारी आयात पर निर्भर रहने से लेकर एक उल्लेखनीय हथियार निर्यातक बनने तक, भारत की रक्षा यात्रा में एक मौलिक बदलाव आया है।

### ये ग्रुप गए थे विदेश दौरे पर

**पहला ग्रुप:** बीजेपी सांसद बैजयंत पांडा का था, जिसमें डॉ. निशिकांत दुबे, कंगनन कोन्याक, रेखा शर्मा (भाजपा), असदुद्दीन ओवैसी (एआईएमआईएम), सतनाम सिंह संधू (मनोनीत), गुलाम नबी आजाद (डीपीएपी) और राजदूत हर्ष श्रृंगला शामिल थे। यह ग्रुप सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया गया था।

**दूसरा ग्रुप:** भाजपा सांसद रवि शंकर प्रसाद का था, जिसमें डॉ दग्गुबाती पुरंदेश्वरी, सस्मिक भट्टाचार्य (भाजपा), प्रियंका चतुर्वेदी (शिवसेना यूबीटी), डॉ अमर सिंह (कांग्रेस), गुलाम अली खटाना (मनोनीत), एम जे अकबर (मनोनीत) और राजदूत पंकज सारण शामिल थे। यह ग्रुप यूके, फ्रांस, जर्मनी, ईयू, इटली और डेनमार्क गया था।

**तीसरा ग्रुप:** जेडीयू सांसद संजय कुमार झा का था। इसमें अपराजिता सारंग, यूसुफ पठान, बृज लाल, डॉ जॉन ब्रिटास, प्रधान बरुआ, डॉ हेमांग जोशी, सलमान खुर्शीद और राजदूत मोहन कुमार शामिल थे। यह ग्रुप इंडोनेशिया, मलेशिया, कोरिया गणराज्य, जापान और सिंगापुर गया था।

**चौथा ग्रुप:** शिवसेना सांसद श्रीकांत एकनाथ शिंदे का था। इसमें बांसुरी स्वराज, ईटी मोहम्मद बशीर, अतुल गर्ग, डॉ सस्मित पात्रा, मनन कुमार मिश्रा, एसएस अहलूवालिया और राजदूत सुजन चिनॉय शामिल थे। यह ग्रुप यूएई, लाइबेरिया, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, सिएरा लियोन दौरे पर था।

**पांचवां ग्रुप:** कांग्रेस सांसद शशि थरूर का था। इसमें शाम्भवी, सरफराज अहमद, एम हरीश बालयोगी, शशांक मणि त्रिपाठी, भुवनेश्वर कलिता, मिलिंद मुरली देवड़ा, और राजदूत तरणजीत सिंह संधू, तेजस्वी सूर्या शामिल थे, जिन्होंने यूएसए, पनामा, गुयाना, ब्राजील और कोलंबिया का दौरा किया।

**छठवां ग्रुप:** डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि का था, जिसमें राजीव राय, मियां अल्ताफ अहमद, कैप्टन ब्रिजेश चौटा, प्रेम चंद गुप्ता, डॉ अशोक कुमार मित्तल और राजदूत मंजीव एस पुरी और जावेद अशरफ शामिल थे। यह डेलिगेशन स्पेन, ग्रीस, स्लोवेनिया, लातविया और रूस दौरे पर था।

**सातवां ग्रुप:** एनसीपी एससीपी सांसद सुप्रिया सुले का था, जिसमें राजीव प्रताप रूडी, विक्रमजीत सिंह साहनी, मनीष तिवारी, अनुराग सिंह ठाकुर, लावु कृष्ण देवरायलु, आनंद शर्मा, वी. मुरलीधरन और राजदूत सैयद अकबरुद्दीन शामिल थे। यह डेलिगेशन मिस्र, कतर, इथियोपिया, दक्षिण अफ्रीका गया था।

# भारतीय सेना में नारी शक्ति की 11 सालों में 4 गुना बढ़ी भागीदारी: राजनाथ सिंह

**नई दिल्ली।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 साल में भारत ने महिला सशक्तीकरण की दिशा में ऐतिहासिक पहल की है। सरकार की चलाई गई अनेक योजनाओं ने महिलाओं को रक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक आत्मनिर्भरता और नेतृत्व के अवसर प्रदान किए. इन सभी प्रयासों ने भारत की नारी शक्ति को आत्मविश्वास, सम्मान और निर्णय की मुख्यधारा में लाकर खड़ा किया है। आज भारत की महिलाएं राष्ट्र निर्माण की एक सशक्त शक्ति बन चुकी हैं। सरकार के चलाई गई अनेक योजनाओं ने महिलाओं को रक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक आत्मनिर्भरता और नेतृत्व के अवसर प्रदान किए। इन सभी प्रयासों ने भारत की नारी शक्ति को आत्मविश्वास, सम्मान और निर्णय की मुख्यधारा में लाकर खड़ा किया है। आज भारत की महिलाएं राष्ट्र निर्माण की एक सशक्त शक्ति बन चुकी हैं।

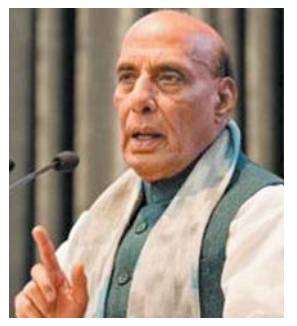

### अब 11,000 महिला अधिकारी

भारतीय रक्षा बलों में महिला अधिकारियों को लेकर बीते 11 साल में एक बड़ा और सकारात्मक बदलाव आया है। करीब 11 साल पहले यानी 2014-15 तक रक्षा बलों में केवल 3,000 महिला अधिकारी थीं, लेकिन बीते एक दशक में रक्षा बलों में महिला अधिकारियों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। रक्षा बलों में महिला अधिकारियों की संख्या अब 11,000 के पार हो चुकी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 साल पूर्ण होने पर भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा, मुख्यमंत्री मोहन यादव, विधायक भगवानदास सबनानी, प्रदेश प्रवक्ता आशीष अग्रवाल एवं जिला अध्यक्ष रवीन्द्र यती मौजूद रहे।

### सांध्यप्रकाश विशेष

## डीजीएमओ राजीव घई का प्रमोशन संभालेंगे सेना के उप प्रमुख का पद

**नई दिल्ली।** ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना का चेहरा बने लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को सेना में नई जिम्मेदारी मिली है। भारतीय सशस्त्र बलों के सफल अभियान के बाद उन्हें डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ के पद पर पदोन्नत किया गया है। इस दौरान राजीव घई सैन्य अभियानों के महानिदेशक (डीजीएमओ) के पद पर बने रहेंगे। मामले से अवगत अधिकारियों ने सोमवार को इस बात की जानकारी दी है। घई उन शीर्ष अधिकारियों में शामिल थे जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद पाकिस्तान के साथ चले संघर्ष के जुड़ी जानकारियां मीडिया को दी थी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में राजीव घई का अंदाज घर-घर में मशहूर हुआ था। घई ने अपने वायु सेना और नौसेना समकक्षों के साथ 11 और 12 मई को मीडिया को ऑपरेशन से जुड़ी जानकारी दी थी। अधिकारियों ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि नई भूमिका में राजीव घई सैन्य अभियान, खुफिया अभियान, रणनीतिक योजना और इन्फॉर्मेशन वॉर जैसे मामलों की देखरेख करेंगे।

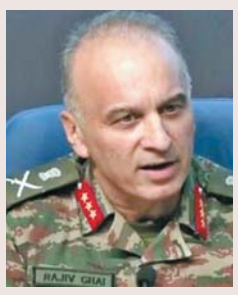

## एक्सिओम-4 मिशन: शुभांशु अब कल भरेंगे अंतरिक्ष की उड़ान

**नई दिल्ली।** भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अब बुधवार (11 जून) को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए उड़ान भरेंगे। खराब मौसम के कारण एक्सिओम-4 मिशन की लॉन्चिंग टाल दी गई। अब 11 जून को शाम 5.30 बजे एक्सिओम-4 मिशन मिशन अंतरिक्ष की उड़ान भरेगा। आईएसएस जाने से पहले भारतीय वीर शुभांशु शुक्ला ने फुल ड्रेस रिहर्सल की। इसमें असेंबली बिल्डिंग से रॉकेट तक जाने, उसमें बैठने के प्रोसेस को फॉलो किया। भारतीय वायुसेना ने कहा-ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला कल एक्सिओम-4 अंतरिक्ष मिशन पर जाने की तैयारी कर रहे हैं। वायुसेना प्रमुख और भारतीय वायुसेना के सभी वायु योद्धा उन्हें और एक्सिओम-4 के पूरे दल को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की सुरक्षित और सफल यात्रा के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

### पंडित सुरेश तातेड़ का निधन

भोपाल। अभिनव कला परिषद के पूर्व सचिव तथा अनगिनत कलाकारों को मंच देने वाले ,अनगिनत गुरुओं को मंच के द्वारा सम्मान दिलाने वाले , कला, साहित्य और रंगमंच के सुविख्यात अविरल सेवक पंडित सुरेश तातेड़ का अभी निधन हो गया है।

### मोहन कैबिनेट में प्रमोशन का रास्ता साफ

# सीएम ने तबादलों की तारीख 17 तक बढ़ाई

## आदिवासियों के घरों तक सड़क बनाने के लिए मुख्यमंत्री मजरा-टोला योजना शुरू होगी

**भोपाल।** मध्य प्रदेश की कैबिनेट बैठक में सरकारी कर्मचारियों की पदोन्नति का रास्ता साफ हो गया है। मंगलवार को हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रस्ताव लाने के निर्देश दिए। पदोन्नति का लाभ प्रदेश के लगभग साढ़े 4 लाख सरकारी कर्मचारियों को मिल सकता है। सीएम मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में और भी कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक के अहम प्रस्तावों की जानकारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने दी।

### तबादलों की तारीख आगे बढ़ाई

तबादलों की तारीख एक बार फिर बढ़ा दी गई। प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों के तबादले अब 17 जून तक होंगे। कैबिनेट मंत्रियों के आग्रह पर सीएम ने तारीख बढाई है। स्कूल शिक्षा विभाग का पोर्टल बनने में हो रही देरी के चलते कैबिनेट बैठक में आग्रह किया गया था, जिसे स्वीकार कर लिया गया।

### मुख्यमंत्री मजरा टोला योजना को मंजूरी

कैबिनेट में मुख्यमंत्री मजरा टोला सड़क योजना को भी मंजूरी मिल गई है। योजना के तहत राज्य के दूर दराज के गांवों में 30,900 किलोमीटर सड़कें बनाई जाएंगी। इस योजना के लिए 21,630 करोड़ रुपये का फंड मंजूर किया गया है।

- **मजरा टोला:** छोटे-छोटे गांवों में सड़कें बनाई जाएंगी, जिन्हें मजरा टोला कहा जाता है।
- **आदिवासी क्षेत्रों में सड़कें:** आदिवासी गांवों में पहुंचने के लिए सड़कें बनाई जाएंगी, जहां पहले सड़कें नहीं थीं।
- **सीमेंट की सड़कें:** तार रोड और लेवल देखकर सीमेंट की सड़कें भी बनाई जाएंगी।
- **छोटे गांवों में सड़कें:** 20 घरों वाले गांव और 100 से ज्यादा लोगों की जनसंख्या वाले क्षेत्रों में भी सड़कें बनाई जाएंगी।

### सिंगरौली, झाबुआ, देवास, नर्मदापुरम में 40 करोड़ से बनेंगे वूमन वर्किंग हॉस्टल

केंद्र सरकार को धन्यवाद दिया गया है कि पीएम नरेंद्र मोदी हमेशा महिला सशक्तिककरण के लिए काम करते हैं और 40.59 करोड़ रुपए दिए गए हैं जिसमें 350 बेड वाले वर्किंग वूमन हॉस्टल बनेंगे। यह चार स्थानों झाबुआ, सिंगरौली, देवास और नर्मदापुरम में पीपीपी मोड पर बनेंगे।

### 19 को बड़वानी आएंगी राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 19 जून को बड़वानी आ रही है। सिकल सेल की बीमारी से कैसे आदिवासी बचें, इसके लिए राज्यपाल लगातार काम कर रहे हैं। विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति आएंगी।

### कैबिनेट मीटिंग के अहम फैसले

कैबिनेट में सरकारी कर्मचारियों के प्रमोशन को लेकर भी चर्चा हुई। सीएम ने अगली कैबिनेट मीटिंग में प्रमोशन को लेकर प्रस्ताव लाने के निर्देश दिए हैं। मध्य प्रदेश के तुअर किसानों को सरकार ने बड़ी राहत दी है। सरकार ने तुअर को मंडी शुल्क में छूट देने का निर्णय लिया है। इस समय 100 रुपए पर 1 रुपए मंडी शुल्क लगता था। मध्य प्रदेश कैबिनेट ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए मुख्यमंत्री सुदूर सड़क संपर्क योजना को मंजूरी दी है, जिसके तहत 30,900 किलोमीटर से अधिक सड़कें बनाई जाएंगी। कामकाजी महिलाओं के लिए चार हॉस्टल बनाने की भी स्वीकृति दी गई है। कैबिनेट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्ष पूरे होने पर धन्यवाद प्रस्ताव भी पारित किया।

### आसमान से बरस रही आग

# पारा @45 डिग्री

**भोपाल।** मानसून के मुंबई के पास ही रुक जाने और स्थानीय मौसमी तंत्र के कमजोर पड़ने का असर मध्य प्रदेश के मौसम पर दिखने लगा है। सोमवार जून महीने का सबसे गर्म दिन साबित हुआ। मंगलवार को भी पूरे प्रदेश में गर्मी का असर बना रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, कहीं भी आंधी-बारिश का अलर्ट नहीं है। ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर और पन्ना में हीट वेव यानी, लू चल सकती है। वहीं, भोपाल, इंदौर, उज्जैन और जबलपुर में दिन का तापमान 44 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा। खजुराहो, ग्वालियर, गुना, नौगांव और नर्मदापुरम जिले में लू चली है। वहीं पश्चिम मध्य प्रदेश के अधिकांश जिलों में गर्म थपेड़े महसूस किए गए। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में हवा के ऊपरी हिस्से में दो चक्रवातीय सिस्टम सक्रिय हैं। वहीं अफगानिस्तान के पास एक पश्चिमी विक्षोभ भी बना हुआ है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश से तेलंगाना तक और तमिलनाडु से महाराष्ट्र तक दो द्रोणिकाएं गुजर रही हैं, जो मानसूनी गतिविधियों को आगे बढ़ाएंगी। इंदौर में सोमवार को सुबह से दोपहर तक सूरज की तपिश ने परेशान किया। शाम के समय भी गर्म हवा चली।

### राजा रघुवंशी हत्याकांड : पटना से शिलांग रवाना हुई मेघालय पुलिस

# हत्या का हर एक सीन होगा रिक्रिएट

**इंदौर/पटना एजेंसी।** चार दिन में ही इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी के दिल की धड़कन बन चुकी पत्नी सोनम रघुवंशी ने ही उसकी सांसें छीन लीं। हत्या के बाद लापता हुई सोनम को यूपी के गाजीपुर से गिरफ्तार किया गया और अब तीन दिन की ट्रांजिट रिमांड पर है। सोनम को पटना से फुलवारी शरीफ पुलिस स्टेशन में रखा गया था, जहां से मेघालय पुलिस शिलांग लेकर रवाना हो गई है। इससे पहले फुलवारी शरीफ पुलिस स्टेशन से सोनम का ताजा वीडियो सामने आया है, जिसमें वो खिड़की से बाहर झांकती नजर आ रही है। जल्द ही कोलकाता फ्लाइट से गुवाहाटी होते हुए वह शिलांग पहुंच जाएगी। जहां राजा की हत्या का हर एक सीन रिक्रिएट होगा। वहीं इधर इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड के आरोपियों में सोनम का प्रेमी राज कुशवाहा, आकाश राजपूत, विशाल चौहान को पुलिस ने सोमवार 9 जून को मजिस्ट्रेट शशांक सिंह के सामने पेश किया। वहीं मंगलवार 10 जून को चौथे आरोपी को भी कोर्ट में पेश किया गया। बता दें आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के दौरान इंदौर क्राइम ब्रांच के साथ मेघालय पुलिस भी मजिस्ट्रेट के रेसिडेंसी स्थित बंगले पर पहुंची थी। मजिस्ट्रेट शशांक सिंह ने सभी आरोपियों को मेघालय पुलिस के हवाले करते हुए 7 दिन की ट्रांजिट रिमांड पर भेज दिया है।

### राजा रघुवंशी के भाई का आरोप हत्याकांड में और लोग शामिल

राजा रघुवंशी के भाई विपिन रघुवंशी ने कहा, 'हमें यकीन है कि मामले में 5 से ज्यादा आरोपी हैं। जब सोनम ने सरेंडर किया, तो उसने अपने भाई को फोन करके बताया कि कोई उसे यहां छोड़ गया है। वह उन दो लोगों को कैसे नहीं जानती थी?''अब हमें पता चला है कि वह बस से यहां खुद ही पहुंची थी। उसके साथ दो और लोग थे। उसने सिर्फ पूरा मामला बनाया। वह दिखावा कर रही है... हमें पुलिस की जांच पर भरोसा है... अगर राज कुशवाह बेगुनाह होता, तो वह सोनम से घंटों बात नहीं करता' ।बकौल विपिन रघुवंशी, 'सोनम राज के गृहनगर में मिली थी। उसने शायद उसके घर में शरण ली थी।

# ऑपरेशन सिंदूर के बाद ताकत बढ़ाने में जुटी भारतीय सेना

### QRSAM एयर डिफेंस सिस्टम से जल्द होगी लैस

**नई दिल्ली एजेंसी।** ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना अपनी ताकत बढ़ाने में जुटी है। इसी कड़ी में भारतीय रक्षा मंत्रालय चीन और पाकिस्तान बार्डर पर तैनाती के लिए क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल की तीन रेजिमेंट को खरीदने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। इस डील की अनुमानित कीमत लगभग 30 हजार करोड़ रुपए है। यह एयर डिफेंस सिस्टम पूरी तरह से स्वदेशी है।

**दिन और रात दोनों समय है कारगर:** QRSAM दिन और रात दोनों समय विरोधियों द्वारा किए गए हमले को रोकने में सक्षम है। अधिकारियों ने कहा कि इस एयर डिफेंस सिस्टम की सफल टेस्टिंग की जा चुकी है। इसे डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन ने बनाया है। उन्होंने कहा कि QRSAM को आसानी से एक

जगह से दूसरी जगह ले जाया जा सकता है।

**क्या है इसकी खासियत:** जानकारी के मुताबिक QRSAM सिस्टम में मूविंग टारगेट खोजने की क्षमता है। यह विरोधी को ट्रैक कर सकता है। साथ ही, बेहद कम समय के अंतराल में फायर कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक इसकी रेंज 30 किलोमीटर है। QRSAM सिस्टम आकाश जैसी मौजूदा एयर डिफेंस सिस्टम को सपोर्ट करने का काम करेगी।

**भारत के पास अभी ये एयर डिफेंस सिस्टम है मौजूद:** भारत के पास अभी आकाशतीर, S-400 सिस्टम और आयरन ड्रोन जैसे एयर डिफेंस सिस्टम मौजूद हैं। इन्होंने 7 से 10 मई के दौरान ऑपरेशन सिंदूर के समय भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम को अभेद किला बनाकर रखा था।

**DRDO 350 KM रेंज की एयर डिफेंस सिस्टम भी कर रहा तैयार:** मॉडर्न वार फेयर को देखते हुए DRDO बहुत कम दूरी की एयर डिफेंस सिस्टम भी तैयार कर रहा है।

# स्रोत की शुद्धता - जीवन में शांति का आधार

प्रकृति द्वारा शांति प्राप्त करने का सबको समानाधिकार दिया गया है। यदि शांति केवल धन से प्राप्त हो पाती तो वह अमीरों की जागीर बनकर रह जाती। अपने जीवन में कोई कितना ही धनवान क्यों न हो, लेकिन शांति को खरीद नहीं सकता और दु:खों को बेच नहीं सकता है। धन सुख के साधनों को तो उपलब्ध करा देता है, लेकिन शांति के साधनों को उपलब्ध नहीं करा पाता है। शांति का संबंध धन से नहीं अपितु हमारे धर्मयुक्त जीवन से है। जिस प्रकार जल का स्रोत ही विषाक्त होने पर पात्र की शुद्धता का कोई महत्व नहीं रह जाता, वह रोगों को ही जन्म देने वाला है। ठीक ऐसे ही धन के अर्जन का स्रोत दूषित रहने पर वह भी जीवन की अशांति का कारण ही बनने वाला है। गलत मार्गों से अर्जित धन किसी मनुष्य को बाहर से समस्त सुख साधनों को उपलब्ध करवा कर भी भीतर से अतृप्त ही रखता है। यदि हमारी कमाई का मार्ग पवित्र है तो धन भले थोड़ा कम रहे, लेकिन जीवन में शांति अवश्य रहेगी।

# मध्यप्रदेश ने अभिलेखीय यात्रा के माध्यम से मनाया अंतरराष्ट्रीय अभिलेख दिवस

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग के अंतर्गत संचालित संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय द्वारा अंतरराष्ट्रीय अभिलेख दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम अभिलेखीय यात्रा का आयोजन राज्य संग्रहालय, श्यामला हिल्स, भोपाल में किया गया। यह आयोजन प्रातः 11बजे से सायं 5 बजे तक हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में अभिलेख प्रेमियों, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों और आम नागरिकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ संचालनालय की संयुक्त संचालक डॉ. मनीषा शर्मा द्वारा किया गया। अपने प्रेरणास्पद वक्तव्य में उन्होंने कहा कि अभिलेख केवल इतिहास नहीं, समाज की आत्मा होते हैं। उनका संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अभिलेखों के ऐतिहासिक, शैक्षणिक एवं शोधात्मक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. रमेश यादव (पुरातत्वविद्) ने भी दस्तावेजों की ऐतिहासिक प्रासंगिकता और वर्तमान शोध में उनके योगदान को रेखांकित किया। पुरालेख अधिकारी श्री पी एस मीणा द्वारा अभिलेख दिवस मनाने व उसके महत्व के सम्बंध में बताया कि अभिलेख हमारी विरासत, संस्कृति से परिचित कराते है। उन्होंने बताया कि अंतर राष्ट्रीय अभिलेखागार परिषद का गठन 1948 में हुआ जिसकी प्रथम बैठक 9 जून 1948 को पेरिस फ्रांस में हुई थी जिसकी याद में 2008 से हर बर्ष 9 जून को विश्व अभिलेख दिवस मनाया जाता है। कार्यक्रम में विशेष अतिथियों के रूप में भोपाल स्थित राष्ट्रीय अभिलेखागार भोपाल के सहायक निदेशक श्री मुमताज़ बेग, पुरातत्व विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी श्री बी.के. लोखंडे तथा नरसिंहगढ़ से पधारे श्री एस.पी. व्यास की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने अपनी सहभागिता से आयोजन की गरिमा को और भी बढ़ाया।

**दुर्लभ दस्तावेजों की प्रदर्शनी:** मध्यप्रदेश अभिलेखागार में सरक्षित 6.88 करोड़ से अधिक ऐतिहासिक दस्तावेजों में से चयनित विशेष एवं दुर्लभ अभिलेखों को प्रदर्शित किया गया। इन दस्तावेजों में प्रदेश की प्रशासनिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत को उजागर किया।

**विषयगत स्टॉल्स:** तीन प्रमुख स्टॉल– संरक्षण (कंजर्वेशन) एवं डिजिटलीकरण एवं अभिलेख से सम्बंधित लगाए गए, जिनमें दस्तावेजों को संरक्षित रखने की नवीनतम तकनीकों और डिजिटलीकरण प्रक्रियाओं को प्रदर्शित किया गया। इन स्टॉल्स पर जानकारी रविकांत शर्मा एवं श्री मति ज्योति विभास द्वारा दी गई। पी.एस. मीना पुरालेख अधिकारी और सैयद नईमुद्दीन (भाषा विशेषज्ञ) द्वारा प्रदान की गई।

**अभिलेख विशेषज्ञों से संवाद:** संवादात्मक सत्र के अंतर्गत वरिष्ठ अभिलेख विशेषज्ञ बेग साहब,निलेश लोखंडे (उप संचालक, अभिलेखागार) तथा अन्य विशेषज्ञों ने शोध, संरक्षण और अभिलेखीय उपयोगिता पर विचार साझा किए।

**तीन प्रमुख दीर्घाओं का मार्गदर्शित भ्रमण:** प्रिंसली स्टेट गैलरी, 1857 का स्वतंत्रता संग्राम, पांडुलिपि दीर्घा।

**वाकणकर स्मृति फोटो बूथ:** पुरातत्व जगत के पुरोधा वाकणकर जी की स्मृति में स्थापित विशेष फोटो बूथ दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहा। अभिलेखीय यात्रा÷ का उद्देश्य समाज में ऐतिहासिक दस्तावेजों के संरक्षण, डिजिटलीकरण, उपयोगिता एवं शोध में उनकी भूमिका को रेखांकित करते हुए जनजागरूकता को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम को प्रतिभागियों एवं आगंतुकों द्वारा अत्यंत सराहा गया और यह आयोजन अपनी सूचनात्मक, शिक्षाप्रद एवं प्रभावी प्रस्तुतियों के कारण स्मरणीय बन गया।

### अंतिम व्यक्ति तक सेवाओं की पहुंच के लिए काम में निरंतरता आवश्यकः डॉ प्रभाकर तिवारी

# कार्यकाल के अंतिम दिन सीएमएचओ डॉ. तिवारी ने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ की बैठक





सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सी एम एच ओ भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी द्वारा कार्यकाल के अंतिम दिन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की बैठक ली गई। जिसमें स्वास्थ्य विभाग की सेवाओं को निरंतर रूप से समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए। इस दौरान विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने डॉ तिवारी को नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दी।

**अब राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में संभालेंगे दायित्व:** डॉ तिवारी आज राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश कार्यालय में नवीन पदभार ग्रहण करेंगे। शासन द्वारा इनका प्रमोशन करते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय में वरिष्ठ संयुक्त संचालक बनाया गया है। उनके स्थान पर डॉ मनीष शर्मा को भोपाल सीएमएचओ बनाया गया है। डॉ प्रभाकर तिवारी को 5 साल पूर्व कोविड की विषम परिस्थितियों के बीच में भोपाल सीएमएचओ का प्रभार दिया गया था, इस दौरान उन्होंने राज्यस्तरीय अधिकारियों और जिला प्रशासन के सहयोग से महामारी नियंत्रण में उल्लेखनीय कार्य किया था।

**कम्युनिटी बेस्ड एप्रोच की निरंतरता को बनाए रखना जरूरी:** विभागीय बैठक में डॉ तिवारी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग भोपाल द्वारा अंत्योदय की अवधारणा के अनुरूप श्रमिक पीठों, रैन बसेरों, तंग बस्तियों, घरों में काम करने वाले दीदियों, स्वच्छता कर्मियों, बस ड्राइवर, कंडक्टर्स, वृद्धाश्रमों, जेल बंदियों, न्यूज पेपर हॉकर्स तक पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाएं दी गई हैं। इन हितग्रहियों का निरंतर फॉलोअप आवश्यक है। पिछले 5 सालों में संजीवनी क्लीनिक की संख्या दो गुना से भी अधिक हुई हैं। बड़े अस्पतालों के ओ पी डी लोड को कम करने के लिए स्थानीय लोगों को सामान्य बीमारियों के उपचार के लिए इन स्वास्थ्य संस्थाओं में आने के लिए प्रेरित किया जाए।

**प्रशिक्षणों से प्राप्त जानकारी का उपयोग सेवाओं की बेहतरी के लिए:** डॉ तिवारी ने कहा कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, गांधी मेडिकल कॉलेज, निजी मेडिकल कॉलेजों के विशेषज्ञों से प्राप्त जानकारी का उपयोग स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी के लिए किया जाए। विभाग द्वारा सुसाइड प्रीवेंशन के लिए गेटकीपर्स ट्रेनिंग, नगर निगम के साथ डॉग हैंडलर्स ट्रेनिंग, एम्स के साथ पेलेटिव केयर, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य जैसे कई महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम भी किए गए हैं।

**सामाजिक सरोकारों से भी जुड़ा सी एम एच ओ कार्यालय :** पिछले कुछ सालों में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भोपाल ने सामाजिक सरोकारों से जुड़कर भी सेवाओं का विस्तार किया है। इसके तहत अंगदान को बढ़ावा देने के लिए अंगदान करने वालों के परिजनों को सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत उपचार से स्वस्थ हुए बच्चों को मुख्य धारा से जोड़ने और उनके मनोबल को बढ़ाने के लिए सांस्कृतिक प्रस्तुतियां , क्रिकेट मैच सहित विभिन्न कार्यक्रम करवाए गए। गैर शासकीय संगठनों का सहयोग लेकर मोबाइल वेन से आई स्क्रीनिंग, चश्मा वितरण, वृद्धजनों के लिए फिजियोथेरेपी, डेंगू मलेरिया जागरूकता, घर बैठे ऑनलाइन ओ पी डी अपाइंटमेंट सिस्टम शुरू किया गया। सी एम एच ओ कार्यालय की विशाल तिरंगा यात्रा, रहवासी समितियों में आयुष्मान शिविर, धार्मिक-सामाजिक आयोजनों में स्वास्थ्य शिविर की सेवाएं दी गई हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट सहित अनेक राष्ट्रीय स्तर के आयोजनों में स्वास्थ्य विभाग ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पी एम श्री एयर एम्बुलेंस की सेवाओं आमजन तक पहुंचाने , प्राइवेट स्कूलों में आर बी एस के टीम द्वारा स्क्रीनिंग शुरू की गई है। जिले की 35 स्वास्थ्य संस्थाओं का नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड के तहत प्रमाणीकरण हुआ है । इनमें से कोलुआ कला को देश भर में सर्वाधिक अंकों के साथ यह सर्टिफिकेट मिला है।

पति की लंबी उम्र के लिए आज महिलाओं ने वट सावित्री व्रत रखकर वट वृक्ष की विधिवत सामूहिक रूप से पूजा अर्चना की भोपाल के हरेरा कॉलोनी श्व 3 डुह्लद्गह्लडु ष्थ्द्यष्ठ4 की महिलाओं ने भी आज प्रात: साज श्रृंगार कर पार्क में स्थित वट वृक्ष की पूजा अर्चना की और अपने पतियों की दीर्घायु की कम मंगल कामना की इस अवसर का यह फोटो।

# महिलाओं को सशक्त बनाने केसरवानी वैश्य समाज समिति ने किया महिला सभा का गठन

**भोपाल।** केसरवानी वैश्य समाज सामिति भोपाल द्वारा महिला सभा का गठन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य महिला सशक्तिकरण करना महिलाओं को मुख्य धारा में शामिल करना एवं. उनके विचारो से समाज को लाभ लेना कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अखिल भारतीय केसरवानी वैश्य महा सभा महामंत्री श्रीमती सुनिता गुप्ता रही। सुनिता गुप्ता के द्वारा नव निर्वाचित महिला सभा को शपथ ग्रहण कराई गई एवं नियुक्ती पत्र वितरण किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय केसरवानी वैश्य समान के संगठन मंत्री उदय केसरी एवं महिला संगठन मंत्री श्रीमती रीता केसरी पूर्व संगठन मंत्री अजीत केसरी प्रदेश सभा से श्रीमती सविता गुप्ता दमोह उपस्थित रही । अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने नव निर्वाचित महिलाओ को बधाईयां दी। अनिल गुप्ता जी ने एक समाज की डायरेक्ट्री बनाने की पहल की। नव निर्वाचित महिला अध्यक्ष श्रीमती ममता केसरी। उपाध्यक्ष श्रीमती प्रीया गुप्ता जी कोषाध्यक्ष सीमा गुप्ता जी ने समाज को संगठित एवं मजबूत करने का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि द्वारा एक भंजन पुस्तक का विमोचन किया गया मुख्य अतिथि द्वारा केसरवानी भवन के नविनीकरण में श्रीमती सुनिता गुप्ता द्वारा . 5000/ रूपए । उदय केसरी जी के द्वारा 11000 रुपये दान किये गए। सचिव संजय गुप्ता ने समाज के प्रत्येक सदस्य को स्वस्थ रहने के प्रति जागरूक किया। एवं स्वास्थ सम्बंधित जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। D S P शिव कुमार गुप्ता समाज सेवी अजय गुप्ता समाज सेवी अनुप गुप्ता वरिष्ठ मार्गदर्शक रूप कुमार गुप्ता वरिष्ट उपाध्यक्ष प्रवीण बानी उपाध्यक्ष राकेश गुप्ता अम्रत लाल गुप्ता शालनी गुप्ता कोषाध्यक्ष राजेश गुप्ता संगठन मंत्री अनन्त लाल गुप्ता सुनिल केसरी विजय गुप्ता अवनी श्रीमती सविता गुप्ता श्रमिक नेता दीपक गुप्ता उपस्थित हुए।

## एमवीएम पूर्व विद्यार्थी संगठन के चुनाव स्थगित

**भोपाल।** शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय पूर्व विद्यार्थी संगठन के आगामी 11 जून को होने वाले नवीन कार्यकारिणी के चुनाव स्थगित कर दिए गए हैं। उक्त जानकारी देते हुए उपाध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव ने बताया कि आगामी 3 साल के लिए गठित की जाने वाली नवीन कार्यकारिणी की निर्वाचन प्रक्रिया को अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया है । निर्वाचन संबंधी अन्य औपचारिकताओं को पूर्ण करने के पश्चात 6 माह के भीतर चुनाव के बाद नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। यह निर्णय एमवीएम पूर्व विद्यार्थी की कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया।

## विकास चौहान संभागीय अध्यक्ष बने, शिक्षक संघ के संभागीय पदाधिकारियों का निर्विरोध निर्वाचन




**भोपाल ।** सरस्वती शिशु मंदिर शिवाजी नगर भोपाल में चुनाव संपन्न हुआ जिसमें संभागीय अध्यक्ष के लिए विकास सिंह चौहान संभागीय सांख्यिकी अधिकारी संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग भोपाल निर्विरोध अध्यक्ष बने हैं। निर्वाचन अधिकारी नन्दकुमार शुक्ला सह संगठन मंत्री एवं पर्यवेक्षक करण सिंह परिहार प्रान्तीय सचिव एवं प्रान्ताध्यक्ष संपन्न हुआ। भोपाल सभाग के सभी जिलों की निर्वाचक सूची के आधार पर निर्वाचन प्रक्रिया प्रारम्भ की गई जिसमें पद निम्नानुसार हैं। अध्यक्ष-01 , सचिव 1 पद, कोषाध्यक्ष-1 उपाध्यक्ष-01 पद, सह सचिव 01 पद, कार्यकारिणी सदस्य 04। निर्वाचित किये गए एवं दो सदस्य मनोनीत हुए साम्मिलित जिले भोपाल रायसेन सीहोर, विदिशा राजगढ़। संभागीय निर्वाचन कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष विकास चौहान भोपाल सचिव डॉ प्रतिभा जायसवाल राजगढ़ कोषाध्यक्ष आशीष तिवारी सीहोर उभयक्ष सजीव दुबे (सीहोर) उपसचिव शिवराज यादव रायसेन सोनिया यादव भोपाल) कार्यकारिणी सदस्य प्रेम सेन भोपाल) अनिलकुमार सागर (राजगढ़ अजय कुमार सोनी (राजगढ़)। मनोनित सदस्य लीला सिसोदिया (सीहोर) प्रदीप राय रायसेन। निर्वाचन उपरांत कार्यकर्ताओ को मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर क्षत्रवीर सिंह राठौर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षको को सन्गठन के मूलमंत्र राष्ट हित शिक्षा हित छात्र हित की सीख प्रदान की। इस निर्वाचन कार्यक्रम में भोपाल सम्भाग के 5जिलो के जिला अध्यक्ष सचिव कोषाध्यक्ष सहित पूरी 25सदस्यीय कार्यकारिणी ने सहभागिता की सम्भागीय निर्वाचन के इस भव्य कार्यक्रम में लगभग 250 शिक्षक शिक्षिकाओं ने सहभागिता की भोजन मंत्र के साथ सहभोज उपरांत ऊँकार मंत्र के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ ।

## सिंधी डांस ऑडिशन में 10 बच्चों को किया सिलेक्ट, 14 को होगा आयोजन

**संत हिरदाराम नगर।** वीना कला एवं सेवा समिति द्वारा आयोजित होने वाले सिंधी टेलेंट हंट के लिए ऑडिशन साधु वासवानी स्कूल में सम्पन्न हुआ। सिंधी भजन गीत, सिंधी डांस, सिंधी एक्टिंग के ऑडिशन में जजों ने अपना निर्णय लिया और सिंधी डांस में 10 बच्चों को सिलेक्ट किया। जिसमें मान्या केवलनी, सौम्या खूबचांदनी, तान्या मुरजानी, दिव्यान इसरानी, परी केवलानी, देविका नेभवानी, मिश्ता खुशहालनी, कनिष्का आहूजा, रूही सतानी, सुहानी गिड़वानी एवं एक स्पेशल परफेमेंस के लिए अंकिता प्रजापति को सिलेक्ट किया गया। इसके अलावा सिंधी सिंगिंग में गोविन्द भगत, निवांश राजानी, अंश केवलनी, भावना ठाकुरानी, रोमा हरचंदनी, भूमिका सभनानी, मानसी लालवानी एवं एक्टिंग में कृष्णा आसवानी, दक्ष लालवानी, हिमांशी ठाकुरानी, हर्षित नारवानी, नायरा भम्भानी, लक्ष मूलचंदनी, प्रेणा बेलानी को सिलेक्ट किया गया। अब इन सभी बच्चों का फाइनल आयोजन 14 जून शनिवार को साधु वासवानी स्कूल नंदवानी ऑडिटोरियम में शाम को 5 बजे से रखा गया है। सिंधी भजन गीत, सिंधी डांस, सिंधी मिमिक्री एक्टिंग, इन तीनों कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों को तीनों के अलग-अलग पुरस्कार दिए जाएंगे।

# अखिल भारतीय कोली समाज की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अखिल भारतीय कोली समाज नई दिल्ली शाखा मध्य प्रदेश द्वारा प्रदेश कार्यकारिणी की प्रथम बैठक हिंदी भवन (महादेवी वर्मा) हॉल में आयोजित की गई । बैठक का उद्घाटन वीरेंद्र कश्यप राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद हिमाचल प्रदेश, सत्यनारायण पवार पूर्व सांसद उज्जैन द्वारा महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर की गई।

इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष बलवंत सिंह शाक्य डी पी शंखवार राष्ट्रीय महामंत्री, कुंवर कोठार पूर्व विधायक, सुनील कछवाह, संगठक महेश प्रसाद कोरी, सावन्त सिंह माहौर, महेश उमरैया, सोमदत्त कोली, ठाकुरदास वर्मा, पार्षद अरविंद वर्मा, गणेश राम शाक्य, प्रकाश शाक्यवार, कमल किशोर आर्य, गजेंद्र पंथी, संतोष वर्मा आदि उपस्थित रहे तत्पश्चात प्रदेश अध्यक्ष बलवंत सिंह शाक्य द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष मा. वीरेंद्र कश्यप जी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मा .सत्यनारायण पवार एवं मंच पर उपस्थित सभी अतिथियों का पुष्पमाला से स्वागत किया। स्वागत सत्कार के पश्चात प्रदेश अध्यक्ष द्वारा स्वागत भाषण दिया गया जिसमें दो प्रस्ताव पास किए गए। जिसमें गुना से एकमात्र विधायक पन्नालाल शाक्य को मध्य प्रदेश शासन के मंत्रिमंडल में शामिल किया जावे। मध्य प्रदेश में कोली समाज की 40 लाख से अधिक आबादी है मध्य प्रदेश शासन मैं दो कोली समाज बंधुओ को निगम या मंडल में अध्यक्ष बनाये जाने का प्रस्ताव पास भी पास किया गया है शामिल है।

बैठक में अन्य संगठन को छोड़कर 20 से अधिक कोरी समाज के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी गणेश राम शाक्य के नेतृत्व में अखिल भारतीय कोली समाज रजि. नई दिल्ली शाखा मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र कश्यप जी द्वारा सदस्यता दिलाई गई एवं सभी का फूल माला से स्वागत एवं शाल श्रीफल देकर सम्मान भी किया गया सदस्यता लेने वालों में सर्व गणेशाराम शाक्य ,राम प्रसाद चंदोरिया हरि नारायण शाक्य राजेंद्र शाक्य मनोज शाक्य की राजेंद्र पंथी कैलाश शाक्य गिरीश शाक्य अमित शाक्य की नंदू शाक्य प्यारेलाल शाक्य जीत महावर विजय शाक्य विनोद शाक्य घनश्याम शाक्य आदि ने सदस्यता ग्रहण की।

बैठक में मध्य प्रदेश के सभी जिलों से जिला अध्यक्ष उपस्थित हुए साथ में प्रदेश पदाधिकारी अपने जिलों की सदस्यता एवं जिले की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा अपने संबोधन में कोली समाज के लोगों को एकजुट रहने, शिक्षा क्षेत्र में अग्रणीय भूमिका निभाने एवं भारत सरकार द्वारा घोषित जाति जनगणना में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने ने का संकल्प दोहराते हुए कहा सभी अपनी जाति का उल्लेख अवश्य करें। जिससे कोली समाज की गिनती राष्ट्रीय मानचित्र पर भी हो सके तभी हमें अपने अधिकारों का सही मूल्यांकन भारत सरकार द्वारा किया जा सकेगा। जिसका लाभ हमें आने वाले समय में मिल सकेगा।

माननीय सत्यनारायण पवार पूर्व सांसद, डीपी शंखवार राष्ट्रीय महामंत्री, कुवरजी कोठार पूर्व विधायक, महेश कोरी राष्ट्रीय सदस्य आदि ने भी बैठक को संबोधित किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र कश्यप के समापन भाषण से पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ-साथ मंच पर उपस्थित समस्त अतिथियों को शाल श्रीफल से सम्मानित किया गया । बलवंत सिंह शाक्य प्रदेश अध्यक्ष द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित होने वालों में सर्वपुरुषोत्तम पंथी, हरीश वर्मा, संजय सोनिया, नवीन कबीरपंथी, अविनाश पंथी, हरिनारायण, राजेंद्र शाक्य, राजेंद्र पंथी, कैलाश शाक्य, गिरीश शाक्य, अमित शाक्य, विजय शाक्य, जीत महावर, विजय शाक्य, विनोद शाक्य, घनश्याम शाक्य उपस्थित रहे।

## सृष्टि शिक्षा एवं जनकल्याण समिति के सदस्यों ने किया पौधरोपण

**भोपाल।** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अनेक सामाजिक संस्थाओं और संगठनों के द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सृष्टि शिक्षा एवं जनकल्याण समिति के अध्यक्ष महेंद्र दवे और सदस्यों द्वारा राजधानी के एकांत पार्क में फल फूल और औषधि देने वाले वृक्ष के पौधे का रोपण किया गया।

समिति के अध्यक्ष महेंद्र दवे ने इस मौके पर कहा कि प्रकृति ने हमें सब कुछ दिया है पर भौतिकता के कारण हम अपने पर्यावरण को हानि पहुंचा रहे हैं जो कि सम्पूर्ण मानव जाति के लिएअत्यंत खतरनाक है, पर्यावरण के संरक्षण के लिए हम सभी को पौधरोपण करने कि अत्यंत आवश्यकता है।

त्वरित टिप्पणी-सांध्यप्रकाश

जी. के. छिब्बर

क्या है राजा की हत्या का राज और बुनियाद!

## वैवाहिक रिश्तों और उठते सवाल

हमारे देश में विवाह उपरांत वेवाहिक अपराध होना कोई नई बात नही है जो कल दिनभर टीवी चैनल्स पर राजा रघुवंशी की हत्या चर्चा में रही और भारतीय परिवार संस्था पर विवाह पर सवाल उठाते रहे जो चिंतन का विषय है आरसीईबी के आंकड़े बताते हैं की 2023 तक 6 हजार से भी अधिक महिलाओं की दहेज़ हत्या प्रतिवर्ष हो रही है और आए दिन हो रही है उस पर मीडिया में इतनी चर्चा क्यों नही होती यह भी विचारणीय प्रश्न है। राजा रघुवंशी ओर सोनम का विवाह परिवार की सहमति पर राजी खुशी से हुवा था परन्तु मेघालय में हनीमून पर जाने पर पति की 11 दिनो बाद हत्या हो जाना वैवाहिक रिश्तों पर सवाल तो उठाता है ओर इस तरह की विभत्स हत्या का हो जाना परिवार के लिए समाज के लिए देश के लिए विचार का विषय है की इस तरह की अपराधिक मनोवृति के लिए दोषी कोन है। क्या हम परिवार संस्कृति की उपेक्षा कर रहे हैं बच्चो की मनोदशा से अनभिज्ञ है बच्चो को संस्कार और जीवन मूल्य देने में असफल है या लोग क्या कहेंगे इस आधार पर बच्चे की इच्छा जाने विरुद्ध सामाजिक प्रतिष्ठा के लिए विवाह कर रहे है जिससे इस तरह की अपराधिक स्थिति देखने को मिल रही है । हम अपने बच्चो को अच्छी शिक्षा देकर डॉक्टर ,इंजीनियर , कार्मिक प्रबंधक एवम उच्च अधिकारी बना का सपना देखते है तो अच्छे संस्कारवान बच्चे बनाने के ज्ञान को अनदेखा कर देते है पुरानी परंपरा और आज के माहौल में समन्वय नही बैठा पाते और संघर्ष की स्थिति उत्पन्न होती है बेमेल अनचाहे वैवाहिक रिश्ते होते है जो बाद में वैवाहिक विवाद बन जाते है विवाह चाहे लव मैरेज हो अथवा अरेंज मैरेज दोनो मे ही विवाह उपरांत विवाद हो रहे है जो आज सबसे बड़ी चुनौती है पारिवारिक अदालते तलाक के मुकदमों से भरी पड़ी है । आज के संदर्भ पर परिवार छोटे है अधिकांश परिवार में एक ही बच्चे है अधिकतम 2 है फिर भी इस तरह की घटनाए देखने को मिल रही है जो चिंता का विषय है। इंदौर के राजा रघुवंशी की हत्या किसने की क्यों करवाई और किस उद्देश से की गई कोन दोषी है न्यायालय सजा देगी परंतु क्या इस तरह की बढ़ती आपराधिक प्रवृत्ति पर कानून से नियंत्रण होगा इस पर विचार करना होगा यह सामाजिक समस्या है पारिवारिक समस्या है इसका समाधान समाज को करना है

# कृषि आधारित उद्योग लगाने पर मिलेगी 50 प्रतिशत सब्सिडी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

**80 करोड़ रुपये से अधिक के 135 निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया**

### मुख्यमंत्री सुगम बस योजना की होगी शुरुआत

### मुख्यमंत्री ने की गाडरवाड़ा में गौशाला निर्माण की घोषणा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उनका और राज्य सरकार का गाडरवारा के नागरिकों के साथ विकास और विश्वास का रिश्ता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के किसानों को कृषि आधारित उद्योग लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि उद्योग समागम मेला भी लगाए जा रहे हैं। कृषि आधारित उद्योग लगाने वाले किसानों को 50 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जाएगी। कृषि उद्योग से जुड़े रोजगार परक कारखाने बनायेंगे, जहां काम करने वाले को 5 हजार रुपये महिने भी दिये जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गाडरवाड़ा में गौशाला निर्माण किए जाने और प्रदेशवासियों को सुगम परिवहन सेवा भी उपलब्ध करवाने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को नरसिंहपुर जिले के गाडरवाड़ा में 80 करोड़ रूपये से अधिक के निर्माण और विकास कार्यों का भूमिपूजन तथा लोकार्पण करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास की नई ऊंचाईयों को छू रहा है। विश्व में देश का मान-सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के सेवा एवं सुशासन के 11 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। विकास की नई उपलब्धियां सभी के सामने हैं। उनके कार्यकाल में तीन तलाक का कानून पास हुआ, जिसके क्रियान्वयन में कहीं भी कोई विरोध नहीं हुआ। धारा 370 हटाने पर देश के अंदर एक आनंद का माहौल रहा। पहलगांव की घटना में पूरा देश एकजुट हुआ और पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया गया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अयोध्या में भगवान श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कर देश में सनातन संस्कृति को नई ऊंचाई प्रदान की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में गरीब, युवा, किसान और महिला सशक्तिकरण की दिशा में तेजी से कार्य हो रहे हैं और इसका समाज में व्यापक असर भी दिख रहा है।

### नई पीढ़ी को शिक्षित करने की मुहिम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नव प्रवेशित बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत कर उन्हें पुस्तकें प्रदान की। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को बेहतर शिक्षा देने का प्रबंध किया जा रहा है, ताकि बच्चे देश के लोकतंत्र, सभ्यता व संस्कृति को जान सकें और अपने उज्ज्वल भविष्य के सपने को साकार कर सकें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नारी सशक्तिकरण की दिशा में भी प्रदेश सरकार कई कल्याणकारी कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहना की राशि 5 साल में तीन हजार रुपये कर दी जायेगी। पहले साल में एक बार रक्षाबंधन का त्यौहार आता था, लेकिन अब लाड़ली बहना योजना की राशि आने से हर महीने बहनों के लिए त्यौहार जैसा माहौल रहता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परिसीमन के बाद लोकसभा व विधानसभा चुनाव में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रिमोट के माध्यम से 80 करोड़ 46 लाख 30 हजार रुपये के 135 निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। उन्होंने 56 करोड़ 58 लाख 6 हजार रुपये के 67 निर्माण कार्यों का लोकार्पण और 23 करोड़ 88 लाख 24 हजार रुपये के 68 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विकास के कार्यों में कोई कोर कसर नहीं रखी जायेगी। जिले के विकास के लिए मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह द्वारा जो प्रस्ताव दिए गए हैं, उन्हें पूर्ण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वृहद स्तर पर सोलर पॉवर कनेक्शन प्रदाय किए जाएंगे, जिससे किसानों को बिजली की समस्या से मुक्ति मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यात्रियों की सुविधा के दृष्टिगत शीघ्र ही पूरे प्रदेश में ÷मुख्यमंत्री सुगम बस योजना÷ प्रारंभ की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य परिवहन निगम पुनः पूरे प्रदेश में बसों का संचालन करेगा। उन्होंने कहा कि सांईखेड़ा में 132 केव्ही का विद्युत सबस्टेशन बनेगा। उन्होंने 60 करोड़ रुपये की लागत से चीचली- सालीचौका 20 किमी सड़क बनाने की घोषणा की और 27 करोड़ रुपये की लागत से अर्जुनगांव से गाडरवारा 17.50 किमी की सड़क बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कांसे, पीतल का उपयोग करें इससे चीचली सहित हमारे आसपास के भाई-बहनों को काम मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस बार गुरू पूर्णिमा एवं कृष्ण जन्माष्टमी धूमधाम से मनाई जायेगी। दशहरे में रावण का दहन तो होगा ही, साथ ही शस्त्र-पूजन भी किया जायेगा। जल संरक्षण की दिशा में जल गंगा संवर्धन अभियान और नदी जोड़ो परियोजना के काम तेजी से चल रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कक्षा 10 वीं व 12 वीं में प्रदेश की प्रावीण्य सूची में शामिल होने वाले विद्यार्थियों और शैक्षणिक कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों का भी प्रतिमात्मक रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गाडरवारा को डेढ़ साल में 350 करोड़ रुपये की सौगात दी है और इस क्षेत्र को विकास की राह पर पहुंचाया है। मुख्यमंत्री को 2 करोड़ रुपये की लागत से गाडरवारा तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए भी धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं अन्य अतिथियों ने शिक्षा विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विद्यार्थियों से संवाद किया। इस अवसर पर सांसद चौधरी दर्शन सिंह, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, विधायक श्री विश्वनाथ सिंह पटेल, सोहागपुर विधायक श्री विजय पाल सिंह और पूर्व राज्यसभा सांसद श्री कैलाश सोनी मंचासीन थे।

ब्यौहारी में राज्य स्तरीय कोल जनजातीय सम्मेलन में बोले मुख्यमंत्री डॉ. यादव

## भगवान बिरसा मुंडा की जीवनी स्कूली पाठ्यक्रम में होगी शामिल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनजातीय समाज का समृद्ध एवं गौरवशाली इतिहास रहा है, समाज ने देश की स्वतंत्रता एवं विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जनजातीय कोल समाज प्राचीन काल से ही अपनी वीरता एवं गंभीरता के लिए जाना जाता है। जनजातीय समाज के अनेक नायकों ने अपना बलिदान देकर जल, जंगल, जमीन एवं अंग्रेजों से लड़कर देश की स्वतंत्रता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रदेश सरकार पूरे प्रदेश में जहां कोल जनजाति के लोग निवासरत हैं और जिनके पट्टे नहीं बने हैं, जांच कराकर पट्टा देने का कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने क्रांतिकारी देशभक्त जनजातीय महानायक भगवान बिरसा मुण्डा की बिरसा मुण्डा मेडिकल कॉलेज शहडोल में प्रतिमा तथा बाणसागर जलाशय में बाणभट्ट की प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय समाज के बेटा, बेटियों की शिक्षा तथा कोचिंग का खर्च सरकार उठाएगी। प्रदेश के सभी संभागों में 24-24 करोड़ के लागत वाले 100-100 सीटर बालक एवं बालिका छात्रावास एवं परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र खोले जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ब्यौहारी में राज्य स्तरीय कोल जनजातीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 330 करोड़ रूपए लागत के 55 विकास कार्यों का लोकार्पण ओर 52 कार्यों का भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आज 11 वर्ष का कार्यकाल पूरा हुआ है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश का मान एवं सम्मान पूरी दुनिया में बढ़ा है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों के विकास में कोई कसर बाकी नहीं रखी है। देश का तेजी से विकास हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के 4 मिशन गरीब, युवा,नारी एवं अन्नदाता के विकास के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित है। उन्होंने कहा कि 4 करोड़ लोगों को पक्के आवास दिए गए हैं। जो लोग छूट गए हैं उनका भी सर्वे कर पक्के आवास देने का कार्य सरकार करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रक्षाबंधन में प्रदेश की लाडली बहनों को उपहार स्वरूप 250 रूपए सप्रेम दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातियों के विरूद्ध होने वाले झूठे प्रकरणों की जांच कराकर दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान बिरसा मुण्डा की जीवनी स्कूली पाठ्क्रम में शामिल करने तथा 13 जिलों में कन्या शिक्षा परिसरों का नाम माता शबरी के नाम पर रखने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजा भभूतसिंह के योगदान का स्मरण भी किया। राजा भभूतसिंह के सम्मान में उनके शासन केंद्र पचमढ़ी में कैबिनेट बैठक का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कौल समाज में अनेक गौरवशाली व्यक्तित्व रहे हैं इनमें बुधु भगत और मदारा महतो भी शामिल हैं। कौल समाज इनके कृतित्व से गौरवान्वित है। वर्ष 1831 और 1832 में इन जनजातीय नायकों के नेतृत्व में अंग्रेजों के अत्याचारों के विरूद्ध संघर्ष किया था।

## जनजातीय कार्य विभाग ने स्थानांतरण को लेकर दायर की कैविएट

**भोपाल ।** जनजातीय कार्य विभाग ने विभागीय अधिकारी-कर्मचारी और शिक्षकों के विधि संगत स्थानांतरण प्रदेश के विभिन्न कार्यालयों और शिक्षण संस्थाओं में किए हैं। स्थानांतरण को लेकर अधिकारी-कर्मचारी और शिक्षकों द्वारा संभावित न्यायालयीन रिट याचिकाओं को ध्यान में रखते हुए विभाग ने उच्च न्यायालय जबलपुर के साथ खंडपीठ इंदौर और ग्वालियर में शासन के पक्ष में केविएट दायर की है। नसम्पर्क अधिकारी मुकेश मोदी ने सोमवार को उक्त जानकारी देते हुए बताया कि विभाग ने अधिकारी-कर्मचारी एवं शिक्षकों को इस संदर्भ में विधिवत सूचित किया है कि उनके द्वारा दायर किये जाने वाले संभावित न्यायालयीन प्रकरणों में शासन का पक्ष प्रभावी ढंग से रखा जायेगा।

## मध्यप्रदेश को बदनाम करने ट्वीट कर रहे राहुल गांधी और जीतू पटवारी: ललिता यादव

**भोपाल ।** भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष व विधायक श्रीमती ललिता यादव ने छतरपुर जिले के नौगांव के ग्राम बिलहरी में हुई घटना को लेकर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार अपराध और अपराधियों को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। घटना में सभी आरोपियों के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया गया है। शीघ्र ही आरोपी सलाखों में होंगे। मध्यप्रदेश को बदनाम करने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ट्वीट कर रहे हैं।

भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष व विधायक श्रीमती ललिता यादव ने कहा कि छतरपुर जिले के नौगांव क्षेत्र के ग्राम बिलहरी स्थित शासकीय उचिम मूल्य राशन दुकान में राशन वितरण के दौरान पहले राशन लेने को लेकर प्रवीण उर्फ कट्टू पटेरिया एवं पंकज प्रजापति के मध्य विवाद हुआ। घाटना में गोली चली और पंकज की जांघ में लगी। घायल पंकज को ग्वालियर रेफर किया गया, जिसकी रास्ते में मौत हो गई। आठ जून की घटना बताई जा रही है। घटना के चंद घंटे के अंदर आरोपियों के खिलाफ पुलिस प्रशासन द्वारा प्रकरण दर्ज कर लिया गया। कांग्रेस पार्टी के नेता मध्यप्रदेश को बदनाम करने के लिए झूठ फैला रहे हैं। इस मामले में आरोपी प्रवीण उर्फ कट्टू पटेरिया, नवीन पटेरिया एवं रामसेवक अरजरिया के खिलाफ अपराध क्रमांक क्र. 372/25 धारा 115 (2), 109(1), 296, 3(5), एससी/एसटी एक्ट की धारा-3(1)द, 3(1)ध, 3(2)वी, 3(2)(वीए) आयुध अधिनियम 1959 की धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष व विधायकललिता यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार अपराधियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा।

## उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने किया बूंद सहेंजे बावड़ी पुस्तक का विमोचन

**भोपाल।** उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने सोमवार को निवास कार्यालय में जल गंगा सवंर्धन अभियान के अंतर्गत जन अभियान परिषद द्वारा प्रकाशित पुस्तक बूंद सहेजे बावड़ी का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण की दिशा यह में एक सतत प्रयास है जिसमें प्रदेश की बावड़ियों की जानकारी प्राप्त कर उसे स्वच्छ एवं निर्मल जल में परिवर्तित किया जाना है। देवड़ा ने कहा कि मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् की यह अनूठी पहल है। श्री देवड़ा ने कहा कि बावड़ियाँ हमारी प्राचीन जलस्त्रोत धरोहर हैं और यही जल संरक्षण का आधार रही हैं। हमारा दायित्व है कि प्रदेश में बावड़ियों की खोज कर उन्हें संरक्षित कर पीने योग्य बनाया जाए। उन्होंने कहा कि नगरिकों को यह पुस्तक धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक महत्व को समझने और समझाने का अवसर होगा। श्री देवड़ा ने कहा कि जल का संरक्षण आवश्यक है क्योंकि जल ही जीवन है इसके बगैर मनुष्य की कल्पना करना बेकार है । जन अभियान परिषद् जल स्त्रोतों के संरक्षण और संवर्धन के लिये जनभागीदारी में कर रही है। इस अवसर पर म.प्र. जनअभियान परिषद् के उपाध्यक्ष मोहन नागर एवं निर्देशक डॉ. बकुल लाड़ उपस्थित रहे।

# चेक-लिस्ट बनाकर करें बाढ़-राहत और बचाव संबंधी निर्देशों का पालन : मुख्य सचिव जैन

**बाढ़ से बचाव संबंधी उच्च स्तरीय समिति की हुई बैठक, विभागों को सौंपे गये दायित्व**

**भोपाल।** मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने बाढ़ राहत एवं बचाव संबंधी राज्य स्तरीय समिति की बैठक में निर्देश दिये हैं कि बाढ़ राहत और बचाव संबंधी निर्देशों के दृष्टिगत एक चेक लिस्ट बनाई जाये और उक्त अनुसार सभी विभाग अगले 15 दिनों के अंदर सौंपे गये दायित्वों को पूरा करें। उन्होंने कहा कि उड़ीसा में आपदा प्रबंधन पर हुए अच्छे कार्यों को मॉडल बनाकर राज्य में उसी तरह का सिस्टम विकसित किया जाये, जिससे जनहानि से बचा जा सके। उन्होंने राजस्व, गृह, कृषि, जल संसाधन, और मौसम विभाग को मिलकर समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिये। बैठक में गृह विभाग को बाढ़ राहत संबंधी कार्यों का नोडल विभाग बनाये जाने का निर्णय लिया गया। मुख्य सचिव श्री जैन ने विभिन्न विभागों को बाढ़ से बचाव और राहत संबंधी अनेक दायित्व सौंपे हैं। मानसून पूर्व बाढ़ एवं आंतवृष्ट से निपटने के लिए हुई राज्य स्तरीय समिति की बैठक में गृह विभाग को सेना से समन्वय, बाढ़ बचाव उपकरणों की तैयारी, प्रशिक्षित तैराकों की सूची और नियंत्रण कक्ष से समन्वय की जिम्मेदारी दी गई। राजस्व विभाग को सभी कलेक्टर को चैक-लिस्ट अनुसार तैयारी, आपदा की स्थिति में क्षति आकलन और समय पर राहत वितरण सुनिश्चित करने का कार्य सौंपा गया है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को अस्थायी शिविरों के लिए भवन चयन, जर्जर भवनों के चिंहांकन की कार्रवाई, निचले क्षेत्रों से आबादी का स्थानांतरण और खुले बोरवेल/कुओं की सुरक्षा के निर्देश दिए गए हैं। लोक निर्माण विभागको पुलों पर बैरियर, जर्जर भवनों की मरम्मत और चेतावनी बोर्ड लगाने का कार्य सौंपा गया है। परिवहन विभागको बसों की फिटनेस जांच, ओवरलोडिंग पर नियंत्रण और बाढ़ में सुरक्षित यातायात की व्यवस्था सुनिश्चित करने का दायित्व मिला है। नगरीय विकास विभाग को नालों की सफाई, निचली बस्तियों को खाली कराने और जर्जर भवनों की मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जल संसाधन विभाग को बांधों की मजबूती, जल निकासी, पूर्वानुमान और बाढ़ संभावित गांवों का चिन्हांकन करने का उत्तरदायित्व सौंपा गया है।

स्वास्थ्य विभाग को बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में चिकित्सा, दवाएं, टीकाकरण और महामारी रोकथाम के लिए आवश्यक सामग्री की व्यवस्था के साथ सर्पदंश के उपचार में प्रयुक्त एंटीवेनम की पर्याप्त व्यवस्था करनी होगी। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को स्वच्छ पेयजल, शुद्धिकरण, क्लोरीन टैबलेट वितरण और निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है। कृषि विभाग को खाद-बीज का भंडारण, समय पर वितरण और कीट-व्याधि पर निगरानी का दायित्व दिया गया है। पशुपालन विभाग को पशुचिकित्सा दल, दवाएं, चारे का भंडारण और मृत पशुओं के सुरक्षित निपटान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। खाद्य विभाग को खाद्यान्न और आवश्यक राहत सामग्री का भंडारण, मूल्य निर्धारण और वितरण की व्यवस्था करना होगी।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

आमंत्रण पत्र

म.प्र. शासन, आयुष विभाग द्वारा स्थापित

पं. उद्धवदास मेहता वैद्य शास्त्री आयुर्वेद सेवा सम्मान

पुरस्कार वितरण समारोह

श्री इन्दर सिंह परमार जी

माननीय मंत्री म.प्र. शासन

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष विभाग

के मुख्य आतिथ्य में

श्रीमती मालती राय

महापौर

नगर पालिक निगम, भोपाल

श्री भगवान दास सबनानी

विधायक दक्षिण-पश्चिम

भोपाल

की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न होगा।

कार्यक्रम

दिनांक 11 जून 2025

अपरान्ह 3.45 बजे

स्थान : रजत जयंती ऑडिटोरियम

पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद संस्थान

साइन्स हिल्स, मैनिट के पीछे कोलार-नेहरू नगर बायपास रोड, भोपाल

कार्यक्रम में आप सादर आमंत्रित है।

आयुक्त
संचालनालय आयुष
मध्यप्रदेश भोपाल

प्रमुख सचिव
म.प्र. शासन
आयुष विभाग

संपादकीय

## आतंकिस्तान आतंक से निपटने के उपाय बताएगा?

आश्चर्य है कि जिस देश का पर्याय नाम 'आतंकिस्तान' हो, जो आतंकियों की फंडिंग के गंभीर आरोपों में 'फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स' (फाट्फ) की 'ग्रे सूची' में तीन बार डाला जा चुका हो, जिस देश में 'अलकायदा' के सरगना और 9/11 आतंकी हमले के मास्टरमाइंड ओसामा बिन लादेन को अमरीकी सैनिकों ने ढेर किया हो, जिस देश में पाले-पोसे गए आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर में, बीते 35 सालों में करीब 45,000 मासूम, बेगुनाह लोगों की हत्याएं की हों, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने जिन आतंकियों और उनके संगठनों पर पाबंदियां चस्पा की हैं, उस सूची में अधिकतर नाम जिस देश के आतंकियों के हों, जिस देश के रक्षा मंत्री ने कबूल किया हो कि अमरीका, ब्रिटेन और पश्चिमी देशों की मदद के लिए उनके देश ने, बीते 30 सालों में आतंकियों को पाला-पोसा था, उस देश का नाम पाकिस्तान है, जिसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की दो महत्वपूर्ण समितियों में ओहदे दिए गए हैं। पाकिस्तान को 'तालिबान प्रतिबंध समिति' का अध्यक्ष और 'काउंटर टेररिज्म कमेटी' का उपाध्यक्ष बनाया गया है। पिछली कमेटी में रूस और फ्रांस भी पाकिस्तान के साथ हैं और तालिबान वाली समिति में रूस और गयाना को भी रखा गया है। बेशक सुरक्षा परिषद की व्यवस्था कुछ भी हो और हर माह ये पदेन जिम्मेदारियां बदलती रहती हैं, लेकिन संयुक्त राष्ट्र के स्तर पर विवेक और बुद्धि का जड़ होना बेहद गंभीर संकेत है। संयुक्त राष्ट्र ने ही पाकिस्तान के आतंकवाद पर कई बार सवाल उठाए हैं और हाफिज सईद, मसूद अजहर, जकी उर रहमान लखवी, सैयद सलाहुद्दीन सरीखे आतंकियों और उनके संगठनों को प्रतिबंधित कर रखा है। अमरीका ने कई पाकपरस्त आतंकियों पर महंगे इनाम की भी घोषणाएं कर रखी हैं, लिहाजा आश्चर्य होता है कि एक घोषित आतंकिस्तान सुरक्षा परिषद का गैर-स्थाई सदस्य रहते हुए तालिबानी आतंकवाद की जांच करेगा और आतंकवाद से लड़ने के सुझाव भी देगा, मुहिम भी चलाएगा!

दिलचस्प यह है कि तालिबान आतंकी गुट के उभार और प्रश्रय में पाकिस्तान का पूरा योगदान रहा है। आज 'तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान' नाम का आतंकी संगठन पाकिस्तान में ही सक्रिय है और बड़े-बड़े हमले, जानलेवा विस्फोट करता रहा है। पाकिस्तान के खैबर इलाके में इस संगठन का लगभग वर्चस्व है और वे पाकिस्तान के फौजियों की हत्याएं करते रहे हैं। अहम सवाल यह है कि पाकिस्तान अध्यक्ष के तौर पर तालिबान के खिलाफ नए प्रतिबंधों की सिफारिश किस आधार पर करेगा? अभी हाल ही में पाकिस्तान के विदेश मंत्री और अफगानिस्तान की स्वयंभू तालिबान सरकार के विदेश मंत्री की मुलाकात चीन के विदेश मंत्री ने अपने देश में कराई थी। चीन यह दोस्ती 'इस्लाम' के आधार पर करवा रहा है, लेकिन अफगानिस्तान भारत के साथ अपने संबंध प्रगाढ़ रखना चाहता है। यही मलेशिया और इंडोनेशिया ने भी किया और पाकिस्तान की 'इस्लामी थ्योरी' को खारिज कर दिया। बेशक सुरक्षा परिषद की बैठकों में भारत पाकपरस्त आतंकवाद को बेनकाब करेगा। दरअसल कुछ बुनियादी गलतियां अमरीका ने की हैं। एक तरफ अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप भारत-पाक को एक ही तराजू में तौलते हुए दोनों देशों को 'महान' करार देते हैं, तो दूसरी तरफ अमरीका के उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर आतंकवाद के खिलाफ भारत को मजबूत समर्थन की बात करते हैं। अमरीकी सांसद ब्रेडशेरमैन पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो को लताड़ लगाते हुए कहते हैं- 'पाकिस्तान पहले जैश-ए-मुहम्मद को तो खत्म करे। यदि अमरीका और चीन पाकिस्तान को समर्थन नहीं देते, तो सुरक्षा परिषद में यह ओहदेदारी पाकिस्तान को नहीं मिल सकती थी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और एशियन विकास बैंक से भी अरबों के बेलआउट पैकेज पाकिस्तान को नहीं मिल सकते थे, यदि अमरीका मदद न करता। इसके मायने ये भी हो सकते हैं कि भारत की विदेश नीति पिछड़ गई है, क्योंकि अमरीका पाकिस्तान को ज्यादा भाव दे रहा है। अमरीका की यह दोगली कूटनीति है। एक ओर भारत उसका रणनीतिक साझेदार है, लेकिन आतंकवाद पर अमरीका दोगली नीति खेल रहा है। क्या जी-7 देशों के शिखर सम्मेलन के दौरान मोदी-ट्रंप दोगली कूटनीति-आतंकिस्तान पर बात करेंगे?

# प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल की बड़ी कामयाबी: 'ऑपरेशन सिंदूर'

सुरेश पचौरी
(लेखक, भारत सरकार में रक्षा उत्पादन, कार्मिक व संसदीय कार्य राज्यमंत्री रहे हैं)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के प्रथम वर्ष की उल्लेखनीय उपलब्धि 'ऑपरेशन सिंदूर' की कामयाबी है। इस कामयाबी का पूरा श्रेय भारतीय सेना को जाता है। ऑपरेशन सिंदूर के पहले चरण को एक माह पूरा होने जा रहा है। देशवासियों ने भारत की बहादुर सेना के अद्भुत पराक्रम को देखा है, लेकिन विपक्ष के कतिपय नेताओं द्वारा ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जिस तरह के प्रश्न उठाये जा रहे हैं वे न तो सामयिक हैं और न ही उनका कोई औचित्य दिखता है। जो प्रमुख प्रश्न उठाये जा रहे हैं, वे हैं - सीज फायर क्यों किया गया क्या इस फैसले में अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दबाव डाला ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की कितनी सैन्य क्षति हुई इस विषय में चर्चा हेतु संसद का सत्र क्यों नहीं बुलाया जा रहा है ये सवाल आज की परिस्थितियों में गैरवाजिब है। इन सारे सवालों के उत्तर उचित फोरम पर दिये जा चुके हैं।

पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को दिल दहला देने वाले आतंकी हमले के तुरंत बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकर, सी.डी.एस. एवं तीनों सेना के अध्यक्षों के साथ लगातार बैठकें की, रणनीति बनाई, लक्ष्य निर्धारित किया और आतंकवादियों के सफाये का अभियान शुरू किया, जिसे 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया गया। 7-8मई की रात को भारत की सेना ने पाकिस्तान में लगभग 100 किलोमीटर घुसकर लक्षित हमला किया जिसमें आर्तकियों के नौ ठिकानों, उनके प्रशिक्षण शिविरों तथा पाक एयरबेस सिस्टम को तबाह कर दिया। भारतीय सेना ने राफेल जेट, एससीएएलनी मिसाइलों तथा हैमर बमों का उपयोग करके केवल 22 मिनट में मिशन पूरा किया। वस्तुत- पहली बार किसी देश ने परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्र के हवाई ठिकानों पर सफलतापूर्वक हमला किया। यह सामान्य साहस की बात नहीं है। दूसरी ओर आतंकवादियों के जनाजे में पाकिस्तान के अनेक नेताओं, उच्च अधिकारियों तथा पाक सेना प्रमुख के शामिल होने से फिर इसकी पुष्टि हो गई कि आतंकवादियों के पाक सेना से बहुत गहरे संबंध है।

यह भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम का नतीजा है कि महज 3-4दिन में पाकिस्तान घुटने पर आ गया और युद्ध रोकने की गुहार करने लगा।भारतीय सेना से गहरी मार खाने के बाद पाकिस्तान के डी.जी.एम.ओ. ने भारत के डी.जी.एम.ओ. से 10 मई 2025 को निवेदन किया और अंतत- भारत ने अपनी जबावी कार्यवाही को स्थगित कर दिया। अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी कतर देश की यात्रा के दौरान स्वयं कहा है कि मैं यह नही कहता कि मैंने मध्यस्थता की है। ट्रंप के कथन को लेकर भारत के रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री और सेनाध्यक्षों ने जो सही वस्तुस्थिति बताई है, भरोसा उस पर ही किया जाना चाहिए। सी.डी.एस. श्री अनिल चौहान ने स्वयं कहा है कि इस युद्ध में भारत की एकतरफा जीत हुई है। सेना के शीर्ष नेतृत्व की बात ही युद्ध के संदर्भ में मानी जानी चाहिए। जहां तक संसदीय सत्र बुलाने की बात है, देश की सुरक्षा और युद्ध ऐसे संवेदनशील विषय हैं जिन पर सार्वजनिक चर्चा से यथासंभव बचना चाहिए।

**पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को दिल दहला देने वाले आतंकी हमले के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकर, सी.डी.एस. एवं तीनों सेना के अध्यक्षों के साथ लगातार बैठकें की, रणनीति बनाई, लक्ष्य निर्धारित किया और आतंकवादियों के सफाये का अभियान शुरू किया, जिसे 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया गया। 7-8मई की रात को भारत की सेना ने पाकिस्तान में लगभग 100 किलोमीटर घुसकर लक्षित हमला किया जिसमें आर्तकियों के नौ ठिकानों, उनके प्रशिक्षण शिविरों तथा पाक एयरबेस सिस्टम को तबाह कर दिया।**

ऑपरेशन सिंदूर के कई सकारात्मक पक्ष सामने आये हैं। पहला है, राजनीतिक इच्छा शक्ति, दूसरा, सटीक और पुख्ता इन्टेलिजेन्स, तीसरा, भारतीय सेना की प्रोफेशनल क्षमता और चौथा, देश की एकजुटता। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 12 मई को राष्ट्र के नाम संबोधन में, फिर 13 मई को आदमपुर में और इसके बाद बीकानेर में भारतीय सेना के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए ऑपरेशन सिंदूर के प्रत्येक पहलू को स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा है कि हमारी सेनायें सतर्क हैं। हम पाकिस्तान की हर गतिविधि पर नजर रख रहे हैं। उन्होंने इस बात को कई बार जोर देकर कहा है कि कार्रवाई होगी। हम गोली का जबाब गोलों से देगें। प्रधानमंत्री के इस तरह दो टूक वक्तव्यों के बाद अब किसी को संदेह नहीं होना चाहिए।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी ऑपरेशन सिंदूर के सम्बन्ध में वस्तुस्थिति से अवगत कराने के लिए जो सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल अनेक देशों में भेजा और उन सदस्यों ने जिस कुशलता से भारत का पक्ष रखा उससे उन देशों के मन में उठ रहे सारे प्रश्नों का उत्तर मिल गया होगा। दूसरी ओर प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों शशि थरूर, सलमान खुर्शीद, आनंद शर्मा, मनीष तिवारी, सुश्री कनीमोजी, सुप्रिया सुले, प्रियंका चतुर्वेदी और असुद्दीन ओवेसी आदि पर कुछ लोग सवालिया निशान लगा रहे हैं। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के कांग्रेस पार्टी के सदस्यों पर कांग्रेस के ही कुछ लोगों द्वारा उठाए जा रहे सवाल दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण हैं। स्मरणीय है कि 1994 में पाकिस्तान ने कश्मीर में मानवाधिकारों के उल्लंघन को लेकर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग में भारत को घेरने की रणनीति बनायी थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री नरसिंह राव ने दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर राष्ट्रहित को सर्वोच्च मानते हुए तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष श्री अटल बिहारी वाजपेयी को भारतीय प्रतिनिधि मंडल का मुखिया बनाकर जिनेवा भेजा था। अटल जी की बुद्धिमत्ता, उनकी तर्कपूर्ण पैरवी और नरसिंह राव जी की कूटनीति के सामने पाकिस्तान का झूठ टिक नहीं पाया। जो दायित्व देशहित में श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने विपक्षी नेता के रूप में उस समय निभाया था, वही दायित्व अभी कांग्रेस के श्री शशि थरूर, जनाब सलमान खुर्शीद, श्री आनन्द शर्मा, श्री मनीष तिवारी ने निभाया है, और इन्होंने पाक को बेनकाब किया है। कांग्रेस के जो नेता अपने साथियों की प्रतिनिधि मंडल में भूमिका पर तरह-तरह के प्रश्न उठा रहे हैं, यह अनुचित है, चूंकि पाकिस्तान इस तरह के वक्तव्यों को भारत के खिलाफ दुष्प्रचार में उपयोग करता है।

यह भी याद रखना होगा कि 26 नवम्बर, 2008 को जब लश्कर-ए-तैयबा के प्रशिक्षित आतंकवादियों ने मुंबई पर सबसे बड़ा हमला किया था जिसमें 160 से अधिक लोगों की जानें गयी थीं उस समय तत्कालीन सरकार ने क्या-क्या कार्रवाई की थी आज जब ऑपरेशन सिंदूर पर अनावश्यक प्रश्न उठाये जा रहे हैं तो मुंबई हमले के बाद तत्कालीन सरकार की भूमिका से भी इसकी तुलना होगी।

भारत एवं पाकिस्तान की अनेक मायनों में कोई तुलना ही नहीं है। चाहे आर्थिक स्थिति का विषय हो या रक्षा तैयारी का मामला हो। पाकिस्तान भारत के समक्ष कहीं ठहरता ही नहीं है। भारत की कुल अर्थव्यवस्था पाकिस्तान से 11 गुनी अधिक है। भारत की सैन्य क्षमता के मुकाबले पाकिस्तान अत्यंत कमजोर है। अभी तक हुये सभी पारंपरिक युद्धों में पाकिस्तान ने मुंह की खाई है। हमारे स्वदेशी रक्षा उत्पादन जैसे तेजस लड़ाकू विमान, ब्रम्होस मिसाइल,अग्नि मिसाइल, आकाश मिसाइल अद्भुत हैं एवं भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने की ओर अग्रसर है। भारत ने वित्त वर्ष 2024-25 में रक्षा निर्यात में लगभग 24,000 करोड़ रूपये का रिकॉर्ड आंकड़ा पार कर लिया हैं। ऑपरेशन सिंदूर के एक माह पूरा होने पर यह नतीजा निकाला जा सकता है कि भारत आत्मरक्षा के मामलों में पूर्ण सक्षम है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व में आतंकवाद को समाप्त करने हेतु भारत संकल्पबद्ध है।

# नशा: युवा पीढ़ी को कैसे बचाएं?

राकेश दुबे

देश के युवा वर्ग में इन दिनों नशे का प्रचलन बढ़ता जा रहा है तथा उसी प्रकार नशे से हो रही मौतों का आंकड़ा भी दिन प्रति दिन बढ़ता जा रहा है। इसलिए युवाओं को नशे से बचाने के लिए सार्थक रूप से पहल करनी होगी, ताकि युवा सही दिशा में आगे बढ़ सके। अगर युवा शक्ति नशे की चपेट में आ रही है, तो नशा रूपी राक्षस को किस तरह समाप्त किया जा सके, इस विषय में समाज को गंभीर चिंतन करना होगा।

एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत में विभिन्न राज्यों में नशीले पदार्थों से संबंधित अपराधों की दर अलग-अलग है, लेकिन एक बात साफ है कि नशे का जो प्रचलन पूरे देश में सामान्य तरीके से बढ़ता जा रहा है, इसके कई कारण हैं। इन कारणों में मुख्य रूप से निष्क्रिय जीवन शैली होना, युवा वर्ग को उचित मार्गदर्शन का अभाव, पारिवारिक कलह, माता-पिता द्वारा बच्चों की तरफ ध्यान न देना, गलत संगत, अवसाद, तनावग्रस्त रहना, प्रेम में हताशा, महत्वाकांक्षी होना, हाई प्रोफाइल जीवन शैली की लालसा, समाज में नशे को शान का प्रतीक समझना, नशे की उपलब्धता एवं पहुंच आसान होना एवं अन्य मनोवैज्ञानिक कारण भी नशे की लत के कारण हैं।

नशे की आदत अन्य जघन्य अपराधों की जननी है। नशेड़ी बच्चे घर में चोरियां करने के अतिरिक्त अपने माता-पिता से मारपीट तथा उनकी हत्या करने में भी हिचकते नहीं हैं। इसलिए जरूरी है कि नशे रूपी राक्षस को जड़ से खत्म किया जाए। निष्क्रिय जीवन शैली - यह सत्य है कि आज से 20-25 साल पहले पहाड़ी प्रदेश में चिट्टा, हिरोइन, एलएसडी या अन्य सिंथेटिक ड्रग्स की उपलब्धता नहीं थी लेकिन उस समय गांव के लोगों की जीवन शैली भी सक्रिय थी। उस समय की दिनचर्या में सुबह उठते ही गांव के लोग गाय-भैंसों को चराते, खेती में व्यस्त रहते, दूर-दूर से पानी एवं चूल्हे के लिए लकड़ी लाते एवं प्रकृति के नजदीक रहते। नगरों और शहरों में व्यक्ति सुबह और शाम के

समय खेलते और सैर करते, युवा वर्ग घर के कामकाज व स्कूल के कार्य को खत्म कर खेलों में व्यस्त रहता था। इस व्यस्तता के चलते व्यक्ति को नशा करने या अन्य नकारात्मक बातों को सोचने का समय ही नहीं मिलता था। इसके विपरीत आज के युवा वर्ग को खेलों के प्रति कोई दिलचस्पी नहीं है व न ही वे घर का कार्य करते हैं। आज का युवा घर के कामकाज में हाथ नहीं बंटाता है, जिसके कारण उसका दिमाग अन्य कार्यकलापों में न लगकर नशे के प्रति उसका झुकाव बढ़ता जा रहा है।

सोशल मीडिया के अत्यधिक प्रयोग के कारण आज का नौजवान नशाखोरी की आदत की तरफ आकर्षित हो रहा है। सोशल मीडिया पर लाइक, कमेंट्स व अन्य प्रतिक्रियाओं से डोपामाइन नामक रसायन का स्राव होता है, जो हमें खुशी और संतुष्टि का अहसास कराता है। इसका अत्यधिक प्रयोग हमें वास्तविक जीवन से दूर करता है। सोशल मीडिया की तरह जब कोई व्यक्ति ड्रग्स, शराब या कोई और नशा करता है, तब भी डोपामाइन हार्मोन रिलीज होता है जो उसे खुशी का अहसास देता है। ऐसे में खुशी पाने के लिए व्यक्ति को ज्यादा नशे की जरूरत पड़ती है।

ड्रग्स प्रयोग के दीर्घकालिक प्रयोग से मानव मस्तिष्क की रासायनिक प्रणालियों में भी परिवर्तन आता है। लेकिन जब बच्चों के मस्तिष्क में ये परिवर्तन आते हैं, तो माता पिता जानकारी के अभाव में इन परिवर्तनों को नजरअंदाज करते हैं तथा बच्चों में आए चिड़चिड़ापन, धैर्य की कमी, छोटी छोटी बातों पर लड़ाई, बच्चों की जीवनशैली में परिवर्तन, घर में चोरी आदि की घटनाओं को आज भी दैवीय शक्ति के नाराज होने व दैवीय प्रकोप मानते हैं, जिसके कारण वे अंधविश्वास का शिकार होते हैं तथा चेलों या बाबाओं के पास इनका आना-जाना लगा रहता है। बच्चों के मानसिक पटल पर आए परिवर्तनों को समझ नहीं पाते हैं तथा उनका बच्चा नशे की गिरफ्त में गंभीर रूप से फंस जाता है।

एक अध्ययन के अनुसार इंटरनेट के प्रयोग द्वारा सबसे बड़ी डार्क वेब वेबसाइट्स में 50 ऐसे बाजार हैं, जहां पर बड़े पैमाने पर अवैध ड्रग्स का ऑनलाइन कारोबार हो रहा है। सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर नौजवान जो कुछ भी देखते हैं, उसके प्रभावों के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील होते हैं, क्योंकि यह आयु वर्ग साथियों के प्रभाव और दबाव के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होता है। संतान की परवरिश में कमी - कई बार देखा गया है कि बच्चों को बिगाड़ने में माता-पिता भी दोषी होते हैं। माता-पिता अपने बच्चों को सारे सुख एवं सुविधाएं बिना मेहनत के उपलब्ध कराने की कोशिश करते हैं, जिससे कि उनका बच्चा वास्तविक जिंदगी जीने में असफल होता है। इसका खामियाजा उन्हें उनके बच्चों द्वारा गलत संगत में पड़कर, व्यसनी होने के कारण भुगतना पड़ता है। अत- जरूरी है कि माता पिता अपने बच्चों को वास्तविक जिंदगी में आने वाले संघर्षों और कठिनाइयों के बारे में भी बताएं। बच्चों का तनावग्रस्त रहना - आधुनिक जीवनशैली और बच्चों में तनाव के बीच गहरा संबंध है। आधुनिक जीवन में बच्चों को कई तरह के तनाव का सामना करना पड़ रहा है, जैसे कि परीक्षा का दबाव, सोशल मीडिया का प्रभाव और परिवार की अपेक्षाएं। ये तनाव बच्चे के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डाल सकते हैं। बच्चों को अनावश्यक दवाब या तनाव से बचाने के लिए माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों की बातों को भी ध्यान एवं धैर्य से सुनें तथा उन्हें यह महसूस करने दें कि उनकी राय मायने रखती है।

गलत संगत - एक कहावत है 'काजल की कोठरी में कैसो हू सयानों जाय एक लीक काजल की लागे है तो लागे है', इसका भावार्थ है कि आप कितने ही अच्छे हों, अगर आपकी संगत बुरी है तो उसका असर तो पड़ ही जाता है। कई बार हमें ये खबरें सुनने को मिलती हैं कि खराब संगत की वजह से चिट्टे की लत लग गई तथा ऐसी लगी कि कुछ परिवारों के बच्चों ने घर के बर्तन तक बेच दिए। बहरहाल, हिमाचल को नशामुक्त बनाने के लिए प्रदेश सरकार नशामुक्ति अभियान के जरिए जागरूकता फैलाने के साथ-साथ नशे के सौदागरों पर शिकंजा कसने तथा इनके नैटवर्क को नष्ट करने की कोशिश में है।

विश्व नेत्रदान दिवस

# किसी को बेहतर दृष्टि देने के लिए आज ही अपनी आँखें दान करने की शपथ लें

महेश अग्रवाल
लेखक योग गुरु है

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षो से नि:शुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है, वर्तमान में भी ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है । योग प्रशिक्षण के दौरान केंद्र पर आने वाले साधकों को एकाग्रता के अभ्यास के बारे में एवं आँखों की दृष्टि शक्ति कैसे बढ़ाई जा सकती है उसके बारे में बताया जाता है । आंखों के महत्व को रेखांकित करने के लिए दुनियाभर में 10 जून को विश्व नेत्रदान दिवस के तौर पर मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोगों को इसके महत्व के बारे में शिक्षित करना है। नेत्रदान एक नेक कार्य है जो नेत्रहीनों या दृष्टिहीन व्यक्तियों को दृष्टि वापस पाने में मदद कर सकता है। नेत्रदान एक ऐसा नेक कार्य है, जो किसी के जीवन में रोशनी ला सकता है।

योग गुरु अग्रवाल नें नेत्रदान के महत्व के बारें में बताया कि नेत्रदान से दो लोगों को दृष्टि प्राप्त हो सकती है। यह एक ऐसा उपहार है जो जीवन को बदल सकता है। नेत्रदान के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं है। मृत्यु के बाद 4-6 घंटे के भीतर नेत्रदान किया जाना चाहिए। नेत्रदान की प्रक्रिया - मृत्यु के बाद निकटतम नेत्र बैंक को कॉल करें। आंखों को सूखने से बचाने के लिए पंखा/एयर कंडीशनर बंद कर दें। दाता की पलकें बंद रखें और आंखों पर तौलिया रखें। निकट संबंधी को दो गवाहों की उपस्थिति में नेत्रदान के लिए लिखित समझौता करना होगा।

नेत्रदान के बारे में आम मिथक - नेत्रदान अंतिम संस्कार की योजनाओं को प्रभावित नहीं करता है। यह दाता के चेहरे को विकृत नहीं करता है। आंखें खरीदी नहीं जा सकती हैं; दाता और प्राप्तकर्ता की पहचान गुप्त रखी जाती है। आइए नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाएं और अधिक लोगों को दृष्टि का उपहार देने के लिए प्रेरित करें। यदि आप अपने प्रियजन की आंखें दान करना चाहते हैं या अधिक जानकारी चाहते हैं, तो कृपया निकटतम नेत्र बैंक से संपर्क करें।

योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि हमारी आँखें तभी किसी के काम आ सकती हैं जब हमारी आँखें स्वस्थ हों आँखों का स्वस्थ होना जरुरी है। आँखों को स्वस्थ रखने के योग अभ्यास के बारे में बताया कि पामिंग (आँखों पर हथेलियाँ रखना) , अगल-बगल देखना , सामने और बगल में देखना , आँखों को गोलाकार घुमाना , ऊपर - नीचे देखना पास और दूर देखना और सबसे महत्वपूर्ण अभ्यास है त्राटक।

योग गुरु अग्रवाल नें इस अवसर पर विशेष बताया कि आँखों का सबसे अच्छा अभ्यास त्राटक का अर्थ होता है , लगातार टकटकी लगाकर देखना। त्राटक के अभ्यास से एकाग्रता बढ़ती है। मन बहुत शक्तिशाली है , लेकिन इच्छाओं और ऊर्जा को नष्ट करने वाले खेल-तमाशों आदि के माध्यम से मन की यह शक्ति चारों ओर बिखर गई है। यदि हम इस बिखरी हुई मानसिक शक्ति को आध्यात्मिक या भौतिक किसी भी एक उद्देश्य की पूर्ति के लिये उपयोग में लायें तो हमें निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। हम निरन्तर ज्ञानेन्द्रियों से प्राप्त सूचनाओं के विस्फोट की चपेट में रहते हैं। अनगिनत विचार हमारे मन से होकर गुजरते रहते हैं और उनके प्रति हम अनभिज्ञ ही रहते हैं। अपनी मानसिक क्रियाशीलता के प्रति हम तभी जागरूक होते हैं। जब हम विश्रांत होकर कुछ हद तक इन्द्रियों के प्रति अपनी जागरूकता या उन्मुखता को कम कर देते हैं। आंतरिक या बाह्य किसी एक वस्तु पर एकाग्र होने के लिए मन को नियंत्रण में रखना होगा ताकि वह विभ्रान्त न हो सके। इसका

नेत्रदान का संकल्प ले,
ताकि किसी का अंधेरा जीवन उजाले से भर जाए
SlogansINHindi.com

एक उपाय यह है कि एकाग्रता के लिए किसी ऐसी चीज का चुनाव कर लें जो मन को शान्ति दे और उसे स्थिर बनाये। इस उद्देश्य से %?% मंत्र, फूल, गुरु का चित्र, कोई देवी-देवता या मोमबत्ती की लौ में से कुछ भी चुना जा सकता है। त्राटक का अभ्यास प्रारम्भ करने के लिए मोमबत्ती की लौ सर्वाधिक आसान और व्यावहारिक है। त्राटक की दो अवस्थायें हैं, बाह्य त्राटक और अन्तर्त्राटक। बाह्य त्राटक में मन को बाह्य पदार्थ पर एकाग्र किया जाता है। अप्रशिक्षित मन के लिये यही आसान है , क्योंकि मन बाह्य पदार्थों से जुड़ा रहना अधिक पसन्द करता है। आंतरिक प्रतीक या बिन्दु पर ध्यानस्थ होते हैं तब मन तुरन्त ऊब कर विचलित होने लगता है। अन्तर्त्राटक में मन को अन्तर्मुख होने का प्रशिक्षण दिया जाता है। इन्द्रियों के माध्यम से कार्य करते रहने पर मन की शक्ति व्यय होती है। लेकिन जब इन्द्रियों से हटाकर आंतरिक वस्तु पर उसे केन्द्रित किया जाय तब उसे शक्ति प्राप्त होती है।

त्राटक के अभ्यास से अनेक लाभदायक प्रभाव होते हैं। त्राटक का नियमित अभ्यास ध्यान और स्मरण शक्ति बढ़ाने में मदद करता है। यह आँखों की मांसपेशियों को सुदृढ़ बनाकर दृष्टि शक्ति बढ़ाता है। त्राटक से आंतरिक ऊर्जा का भंडार खुल जाता है। भारत में रहस्यमयी गुप्त शक्तियाँ प्राप्त करने के लिये त्राटक सबसे महत्त्वपूर्ण अभ्यास माना जाता है।

त्राटक से एकाग्रता बढ़ती है , क्योंकि इससे चेतन ऊर्जा को एक बिन्दु , ध्यान के केन्द्र बिन्दु की ओर उन्मुख किया जाता है। यह अभ्यास स्वतः ध्यान की ओर ले जाता है। प्रारम्भिक अभ्यासियों को भी कम समय में ही इस प्रकार के अनुभव होने लगते हैं। त्राटक का अभ्यास अधिकतम स्थिर आसन में करना चाहिये। यद्यपि कुर्सी पर बैठकर या सुखासन में भी यह अभ्यास किया जा सकता परन्तु अधिकाधिक स्थिर होकर सिद्धासन , सिद्धयोनि आसन या है पद्मासन में ही इसका अभ्यास करना श्रेयस्कर है।

त्राटक बाह्य हो या आंतरिक , इसका अभ्यास करते समय पलकों को झपकाना नहीं चाहिए। दृष्टि भी बिल्कुल स्थिर रहनी चाहिए। प्रारम्भ में यह भले ही कठिन प्रतीत हो , पर अभ्यास के साथ बहुत सरल हो जाता है। इसमें महत्त्वपूर्ण बात है कि आँखों को तनावरहित रहना चाहिये। आंतरिक बिम्बों को देखने के लिये यह आवश्यक है । मन को सिर्फ वस्तु या बिम्ब पर ही टिकाये रखना है। यदि मन अन्य बातें सोचता हो तो धीरे से उसे खींच कर एकाग्रता की वस्तु पर ले आना चाहिये।

एकाग्रता की वस्तुएँ - कोई भी वस्तु एकाग्रता के लिये उपयोग में लाई जा सकती है। निम्नांकित चीजों का उल्लेख सझाव के तौर पर किया जा रहा है - मोमबत्ती की लौ, काला बिन्दु , स्फटिक, नासिकाग्र , भ्रूमध्य बिन्दु , शिवलिंग , आकाश , जल , चाँद , तारा , अपनी ही छाया , अन्धकार , शून्य , आईना , यन्त्र या मण्डल । इष्टदेवता या आपका अतीन्द्रिक प्रतीक। उसमें से त्राटक के लिए मोमबत्ती का उपयोग कई कारणों से उपयोगी मानते हैं। यह विशेष रूप से प्रभावकारी होती है , क्योंकि यह आँखों और मन के लिए चुम्बक का काम करती है। इसमें चमक होती है , अतः अन्तर्त्राटक का अभ्यास करते समय आँखें बन्द करने के बाद इसका बिम्ब बहुत स्पष्ट दिखाई पड़ता है। पहले बाह्य त्राटक किया जाता है , इसके बाद अंतर्नाटक । बाह्य त्राटक का अभ्यास करते समय खुली आँखों से जो लौ दिखाई पड़ती है , उसी के बिम्ब का अन्तर्त्राटक में उपयोग किया जाता है । त्राटक में एकाग्रता के लिए आप जो भी चीज चुने यथा मोमबत्ती , उसे आँखों की सीध में एक हाथ की दूरी पर रखिए । अगर दृष्टिदोष हो तो मोमबत्ती को ऐसी जगह पर रखिये कि वहाँ दो न दिखाई पड़ें । अभ्यास करते समय आँखें बन्द करने के बाद बिम्ब इधर-उधर , ऊपर-नीचे भागेगा , इसे किसी एक स्थान पर या अधिकांशतः भ्रूमध्य बिन्दु पर केन्द्रित करने का प्रयास करें ।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

# कहीं दूल्हे की मौत बन कर तो नहीं आ रही दुल्हन

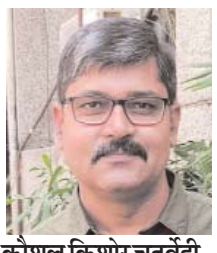



कौशल किशोर चतुर्वेदी

हाल ही में एक के बाद एक हुई घटनाओं ने समाज को झकझोर कर रख दिया है। हिंदू धर्म ग्रंथों में शादी को एक नहीं बल्कि सात जन्मों का पवित्र बंधन माना जाता है, लेकिन यदि दुल्हन खुद दूल्हे की मौत बनकर लाल जोड़े में सज कर आए तो इसे क्या माना जाए? मध्य प्रदेश के इंदौर के राजा रघुवंशी की हत्या यह चीख-चीख कर बता रही है कि भरोसे का ऐसा कत्ल कहीं ना कहीं पूरे समाज को गहरी चिंता में डाल रहा है। 11 मई 2025 को शादी के बाद हनीमून मनाने 20 मई को शिलांग गए इस नवविवाहित जोड़े के लापता होने के बाद पूरा देश अलग-अलग मानसिकता से गुजरता रहा। पूरा देश राजा और सोनम पर केंद्रित होकर इनसे जुड़े हर अपडेट पर नजर रख रहा था। पहली प्रतिक्रिया में मेघालय और शिलांग के साथ इस राज्य के निवासी खलनायक की भूमिका में थे। 23 मई 2025 को लापता हुए इस जोड़े में से राजा की लाश मिलने के बाद मानो मेघालय राज्य के सभी निवासी अपराधी साबित हो रहे थे। मेघालय पुलिस पूरे देश दुनिया के टारगेट पर थी। पर वक्त रहते पुलिस असली हत्यारों तक पहुंच गई और मेघालय अपराधी होने से बच गया। मेघालय पुलिस कर्तव्यनिष्ठ साबित हुई। वहीं सोनम ने गाजीपुर तक पहुंच कर यह बता दिया कि शिलांग वह जिस उद्देश्य से गई थी उसके बाद मेघालय छोड़कर भागना उसकी योजना का हिस्सा था। तथ्य और सबूत अंत में क्या साबित करते हैं यह अलग बात है लेकिन वर्तमान चिल्ला-चिल्ला कर कह रहा है कि दुल्हन ही दूल्हे की कातिल है। और फिलहाल सोनम और उसके साथी ही इस घृणित अपराध के गुनहगार साबित हो गए हैं। हत्या की जघन्यता मानसिक विकृतता और सामाजिक पतन की इंतहा का पर्याय बन गई है।

## शिलांग हत्याकांड ने रिश्तों की नींव हिला दी!

साधारण तौर पर देखा जाए तो राजा की मौत भी हर दिन होने वाले अपराधों में से एक घटना ही है। पर जब विवाह के बंधन के बाद पति और पत्नी के बीच भरोसे की हत्या के रूप में देखा जाए तो यह घटना बड़ी सामाजिक विकृति की तरफ इशारा करती है। क्या अब विवाह के पहले दुल्हन की कड़ी परीक्षा के मानक तैयार किए जाएंगे ताकि यह भरोसा किया जा सके कि वह जिस घर में दुल्हन बनकर जा रही है और जिस दूल्हे के साथ ब्याही जा रही है उसकी जिंदगी सुरक्षित रखेगी। क्या विवाह के पहले लड़कियों के मोबाइल कॉल डिटेल्स का गहन परीक्षण जरूरी हो गया है। क्या विवाह के पहले लड़कियों से शपथ पत्र लेने की जरूरत है जिसमें वह शपथ पूर्वक कह सकें कि उनका शादी के पहले किसी से कोई अफेयर नहीं है और वह शारीरिक और मानसिक रूप से पूर्ण सहमति से विवाह के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। क्या अब नव विवाहित जोड़ों को हनीमून जैसी संस्कृति से दूर रखने की जरूरत है? ऐसे सैकड़ो सवाल अब मन में तैर सकते हैं, पर इसके बाद भी भरोसे की कोई गारंटी नहीं दे सकता। यह विडंबना कहीं न कहीं शादी जैसे पवित्र बंधन और स्थापित सामाजिक मान्यता पर ही सवालिया निशान खड़े कर रही है? समाज में बढ़ते तलाक के मामले और टूटते वैवाहिक रिश्तों ने पहले ही पति-पत्नी के बीच के रिश्ते को कमजोर कर दिया था। पर अब हत्याओं की ऐसी घटनाओं ने पूरी सामाजिक व्यवस्था पर ही सवालिया निशान लगा दिया है?

हालांकि इसका दूसरा पक्ष भी है कि हर लड़की की तुलना सोनम से नहीं की जा सकती। अगर समाज के सामने सोनम और उस जैसी हत्यारिन दुल्हनों के चेहरे भरोसे को तोड़ते नजर आ रहे हैं तो करोड़ों सभ्य और सुसंस्कृत लड़कियां भरोसे पर खरी भी उतर रही हैं। यह समाज, करोड़ों परिवार और देश-दुनिया, आखिरकार गृहणियों के समर्पण का ही तो प्रमाण और परिणाम है। ऐसे में सभी लड़कियों पर सवालिया निशान नहीं लगाया जा सकता। दहेज हत्याओं और विवाहेत्तर संबंध सहित अन्य कई वजहों से पत्नी हत्या के प्रकरणों ने भी समाज को विकृति से जकड़ रखा है। ऐसे में घटना विशेष से किसी सामाजिक निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सकता है।

वर्तमान परिस्थितियों के लिए हम सभी जिम्मेदार हैं। यह बात अवश्य है कि ऐसी विकृतियों को दूर करने के लिए परिवारों और समाज को विशेष कदम उठाने की जरूरत है। ताकि विवाह जैसे बंधन पर आम आदमी का भरोसा बना रहे। और विवाह बंधन में बंधने वाले बेटे और बेटियां पूरी तरह से सुरक्षित रहें और दो घरों की खुशियां हमेशा बढ़ती रहें। और ऐसा सवाल कभी भी मन को न कचोटे कि 'कहीं दूल्हे की मौत बनकर तो नहीं आ रही है दुल्हनज्?' या दुल्हन की मौत तो नहीं बन जाएगी ससुराल?

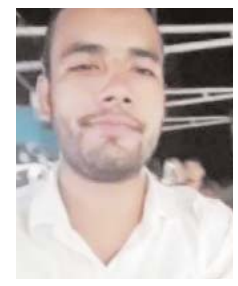

# ऑटो की फ्री सवारी से 23 छात्राओं से नाम बदलकर दोस्ती की, फिर अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया



**मथुरा।** यहां एक सनसनीखेज मामला सामने आया, जिसमें हिंदू लड़कियों ने एक मुस्लिम युवक पर प्रेम जाल में फंसाकर अश्लील वीडियो बनाने और ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया। इस घटना के सामने आते ही भारी हंगामा मच गया। गुस्साए लोग और हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता सक्रिय हो गए। उन्होंने आरोपी के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए इसे 'लव जिहाद' का मामला बताकर पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की।।पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक इमरान के खिलाफ रविवार को मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस को आरोपी के फोन से कई आपत्तिजनक वीडियो और चैट मिली। बताया जा रहा है कि इमरान ने अभी तक करीब 23 युवतियों के साथ इस तरह की वारदातों को अंजाम दिया है। कई अश्लील वीडियो वह सोशल मीडिया पर भी वायरल कर चुका था। इन वीडियो में वह अलग-अलग लड़कियों के साथ जन्मदिन, होटल और अन्य निजी पलों में दिख रहा है। एक लड़की तो मांग में सिंदूर और माथे पर बिंदी लगाए हुए भी दिखाई गई।

## प्रेमजाल और ब्लैकमेलिंग का मामला

पुलिस को शिकायत की गई कि इमरान नाम बदलकर हिंदू युवतियों से दोस्ती करके पहले उन्हें अपने प्रेमजाल में फंसाता था। एक बार जब वह उनका भरोसा जीत लेता, तो वह उनके साथ निजी पलों के वीडियो बना लेता था। इन अश्लील वीडियो का इस्तेमाल वह युवतियों को ब्लैकमेल करने के लिए करता और धमकी देता था कि अगर उसकी बात नहीं मानी गई तो वह इन वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा।

कई लड़कियां काफी समय से इससे परेशान थी और इनमें से कुछ के परिजनों को लड़कियों द्वारा घर से पैसे चुराए जाने के बाद शक हुआ। अन्य लड़कियों के वायरल वीडियो को देखकर पीड़ित लड़कियों ने घर वालों को इस ब्लैकमेलिंग के साथ शर्मनाक खेल की साज़िश उजागर की। इस मामले से पीड़ित परिवार जनों के अनुसार पेशे से ऑटो ड्राइवर इमरान अपने नाम और पहचान को बदलकर ऑटो में बैठने वाली युवतियों ख़ासकर स्कूली छात्राओं से दोस्ती करता, उन्हें फ्री में सबूल छोड़ता था। फिर उनका भरोसा जीतता था और बाद में निजी पलों की वीडियो बनाकर उनका शोषण करता था।

आरोपी इमरान मथुरा के मछली मंडी इलाके में रहता है। इमरान ने हाल ही में बकरीद को लेकर भी सोशल मीडिया पर भड़काऊ वीडियो डाला था, जिसमें उसने लोगों को घर से न निकलने की नसीहत देते हुए कहा कि कुर्बानी तो होगी, खून भी नालियों में बहेगा। इस वीडियो के साथ उसने सड़क पर बहते लाल पानी और एक महिला द्वारा मांस काटने के दृश्य दिखाए। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक और वीडियो में इमरान यह कहता नजर आता है 'कुछ लोगों की उम्र नहीं जितनी मेरी गर्लफ्रेंड रह चुकी हैं। दो साल में 23 गर्लफ्रेंड बनाई थी, 50 का टारगेट था।' पुलिस की शुरुआती पूछताछ में आरोपी इमरान ने बताया है कि उसका टारगेट 50 लड़कियां थीं, जो इस अपराध की भयावहता को दर्शाता है।

सीओ सिटी भूषण वर्मा ने बताया कि आरोपी इमरान के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने और छात्राओं के साथ अनुचित व्यवहार के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। पूछताछ में उसने कुबूल किया कि वह स्कूल जाती छात्राओं को ऑटो से छोड़ने के बहाने संपर्क बनाता और फिर उन्हें प्रेमजाल में फंसाता था।

पुलिस अब मामले की गहराई से जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या इमरान के साथ कोई और भी इस गिरोह में शामिल है। मामला साम्प्रदायिक तनाव का रूप न ले, इसके लिए पुलिस और प्रशासन सोशल मीडिया की निगरानी भी कर रहे हैं।

# मूंग तुलाई को लेकर सीएम की सभा में दिखाया काला झंडा

नरसिंहपुर। गाडरवारा में सीएम डॉ. मोहन यादव कुर्सी पर बैठते वक्त अचानक गिर पड़े। हालांकि आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें संभाल लिया। एक जगह मुख्यमंत्री को काला झंडा भी दिखा दिया, लेकिन पुलिस कि नजर बहुत देर बाद पड़ी।दरअसल, सीएम मंच पर एक दिव्यांग बच्ची से बात कर रहे थे। बात करते करते ही वह कुर्सी पर बैठने लगे। इस दौरान उनका बैलेंस बिगड़ गया और वो गिर पड़े। बता दें कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा पहुंचे। यहां उन्होंने 80 करोड़ 46 लाख रुपए की 135 परियोजनाओं का लोकापर्ण और भूमिपूजन किया। इससे पहले सीएम ने रोड शो भी किया।

### 13 जिलों में माता शबरी के नाम से रखा जाएगा कन्या शिक्षा परिसरों का नाम

# जनजातीय कोल समाज प्राचीन काल से ही अपनी वीरता एवं गंभीरता के लिए जाना जाता है: मुख्यमंत्री



**शहडोल।** जनजातीय समाज का समृद्ध एवं गौरवशाली इतिहास रहा है, समाज ने देश की स्वतंत्रता एवं विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जनजातीय कोल समाज प्राचीन काल से ही अपनी वीरता एवं गंभीरता के लिए जाना जाता है। जनजातीय समाज के अनेकों नायकों ने अपना बलिदान देकर जल, जंगल, जमीन एवं अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह करके देश की स्वतंत्रता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रदेश सरकार पूरे प्रदेश में जहां कोल जनजाति के लोग निवासरत हैं, जिनके पट्टे नहीं बने हैं, उनकी जांच कराकर पट्टा देने का कार्य करेगी। क्रांतिकारी देशभक्त जनजातीय महानायक भगवान बिरसा मुण्डा की पुण्य तिथि पर बिरसा मुण्डा मेडिकल कॉलेज शहडोल में उनकी प्रतिमा तथा बाणसागर जलाशय में बाणभट्ट की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। जनजातीय समाज के बेटा, बेटियों की शिक्षा तथा कोचिंग का पूरा खर्च सरकार उठाएगी। प्रदेश के सभी संभागों में 24-24 करोड़ के लागत वाले 100-100 सीटर बालक एवं बालिका छात्रावास एवं परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र खोले जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आज 11 वर्ष का कार्यकाल पूरा हुआ है। उनके नेतृत्व में देश का मान एवं सम्मान पूरी दुनिया में बढ़ा है। प्रधानमंत्री जी ने समाज के सभी वर्गों के विकास में कोई कसर बाकी नहीं रखी है। तेजी से देश का विकास हो रहा है। प्रधानमंत्री जी के 4 मिशन गरीब, युवा,नारी एवं अन्नदाता के विकास के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित है। उन्होंने कहा कि 4 करोड़ लोगों को पक्के आवास दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रक्षाबंधन में प्रदेश की लाडली बहनों को उपहार स्वरूप 250 रूपए सप्रेम दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातियों पर होने वाले झूठे प्रकरणों की जांच कराकर दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। मुख्यमंत्री ने भगवान बिरसा मुण्डा की जीवनी स्कूली पाठ्क्रम में शामिल करने तथा 13 जिलों में कन्या शिक्षा परिसरों का नाम माता शबरी के नाम से रखने की घोषणा की। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य स्तरीय कोल जनजातीय सम्मेलन का दीप प्रज्ज्वलन, कन्या पूजन तथा भगवान बिरसा मुण्डा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

मुख्यमंत्री ने ब्यौहारी में आयोजित प्रदेश स्तरीय कोल जनजातीय सम्मेलन में जिले के विकास के लिए अनेक सौगातें देने की घोषणा की। शहडोल नगर की पेयजल व्यवस्था के लिए जिला खनिज प्रतिष्ठान मद से 28 करोड़ रूपये, ग्राम पंचायत निपनिया में कॉलेज खोलने, सरसी आईलैण्ड में जल पर्यटन को विकसित करने, जयसिंहनगर तहसील के चरकी डोल से ओदारी नदी में 13 करोड़ रूपये की लागत से पुल का निर्माण करने, जिला सतना के रामपुर बघेलान तहसील के भगदेवरा किला का जीर्णोद्धार कराने की घोषणा की।

भगवान बिरसा मुंडा की पुण्य तिथि के अवसर पर ब्यौहारी में आयोजित कोल जनजातीय सम्मेलन में कोल जनजातीय संस्कृति एवं परंपरा पर आधारित लगाई गई प्रदर्शनी का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अवलोकन किया तथा प्रदर्शनी की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि के अवसर पर ब्यौहारी में आयोजित कोल जनजातीय सम्मेलन में 79.06 करोड़ रूपये की लागत से 55 विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 244.09 करोड़ रूपये की लागत से 52 विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

# पुलिस -चिकित्सक समन्वय संवाद पुलिस नियंत्रण कक्ष दमोह में सम्पन्न

**दमोह।** श्रुतकीर्ति सोमवंशी पुलिस अधीक्षक दमोह द्वारा जिले के शासकीय और निजी चिकित्सकों से समन्वय संवाद किया गया। संवाद में पुलिस अधीक्षक, पुलिस टीम के साथ ही ज़िले के प्रमुख चिकित्सक उपस्थित हुए। चिकित्सालयों में सुरक्षा मानकों जैसे पुलिस/गार्ड सुरक्षा, ष्टष्टञ्जङ्क कवरेज, नियमित चेकिंग, कर्मियों का चरित्र सत्यापन, चिकित्सक-मरीज़ व्यवहार जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। साथ ही पुलिस कर्मियों के स्वास्थ्य पर रूपरेखा बना कर विशेष ध्यान देने की कार्य योजना पर विचार विमर्श किया गया।

# अर्धनग्न अवस्था में दंड भरते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे किसान

**दमोह।** मध्यप्रदेश सरकार द्वारा ज़ब प्रदेश में मूंग खरीदी पर रोक लगाने की बात कही गई है तब से ही प्रदेश भर में किसानों का गुस्सा देखने को मिल रहा है. आज दमोह में चिलचिलाती धूप में दमोह के किसान दंड भरते हुए अर्धनग्न अवस्था में मूंग खरीदी चालू करो का नारा लगाते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। जिला पंचायत सदस्य दृगपाल सिंह लोधी ने बताया की आज किसानों द्वारा बिना किसी संगठन, बिना किसी राजनैतिक दल के बैनर तले ये प्रदर्शन किया। जिसका उद्देश्य भाजपा सरकार को समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी की मांग मानने पर मजबूर करना है. किसानों ने बताया कि अगर सरकार जल्द ही मूंग खरीदी की घोषणा नहीं करती तो दमोह में किसान अनिश्चित कालीन अमरण अनशन पर बैठेंगे। इस ज्ञापन में पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष मनु मिश्रा, पूर्व सेवादल अध्यक्ष वीरेंद्र ठाकुर,भीष्म नारायण पटेल जी, तुलसी लोधी, देवेंद्र अहिरवार, एड. नरेंद्र प्रताप, नीलेश ठाकुर, दीनदयाल पटेल, सरदार सिंह, अंकित राय, जीतेन्द्र पटेल,कमलेश चोरसिया, नत्थू सिंह, गुड्डू प्यासी सत्ती खिरिया,धमेंद्र सिंह,देवेन्द्र सिंह ,गोविंद सिंह केरवना ,देवी सिंह गूगरा,सुनिल सिंह हिगवानी सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे!

# दुकानदारों से किया वादा अधर में, अतिक्रमण से मुक्त कराई जमीन पर नपा करा रही तार फेंसिंग



**ओबेदुल्लागंज (संवाददाता)।** शासकीय भूमि पर बर्षो से काविज दुकानदारों को हटाकर नपा ने तार फेंसिंग का काम शुरू करवा दिया है जिसके चलते अपने रोजमर्रा के काम कर घर की रोजी रोटी चलाने वाले छोटे दुकानदार चिंतित नजर आ रहे हैं दरअसल अतिक्रमण की कार्यवाही करने से पूर्व नगर परिषद प्रशासन ने दुकानदारों को सस्ते दामों में दुकानें उपलब्ध कराने की बात की थी लेकिन अतिक्रमण हटाने के बाद उसी शासकीय जमीन पर नपा ने फिहलाल तार फेंसिंग कराने का निर्णय लिया है गौरतलब है कि बीते सप्ताह शासकीय अमले ने बर्षो से काविज करीब दो सौ दुकानदारों की दुकानें हटाकर अतिक्रमण की कार्यवाही की थी जिसके कारण सैकड़ों दुकानदार बेरोजगारी की कगार पर जा पहुंचे है अब इन दुकानदारों को आशा थी कि नपा प्रशासन जल्द दुकाने बनाकर सस्ते दामों में उपलब्ध कराएगा लेकिन नपा के तार वंदी के फैसले से वह असहाय नजर आ रहे है।

## इनका कहना है

अतिक्रमण से मुक्त कराई सरकारी जमीन पर तार फेंसिंग इसलिए करवाई जा रही है ताकि दोबारा अतिक्रमण ना हो अतिशीघ्र सस्ते दामों की दुकानों का निर्माण कराया जायेगा

लक्ष्मी सोनू चौकसे,नपाध्यक्ष
ओबेदुल्लागंज

# स्विफ्ट कार में 63 लीटर अवैध शराब पकड़ी दो आरोपी गिरफ्तार

## बरेठा-घोड़ाडोंगरी रोड पर आबकारी की बड़ी कार्यवाही

**सांध्य प्रकाश, बैतूल।** जिले में अवैध शराब के खिलाफ चल रही मुहिम के दौरान एक बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया। आबकारी अधिकारी अंशुमान सिंह चढ़ार के निर्देशन में आबकारी वृत्त शाहपुर में मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर नाकाबंदी की गई। इस दौरान बरेठा से घोड़ाडोंगरी मार्ग पर एक सफेद रंग की स्विफ्ट कार को रोका गया। तलाशी लेने पर उसमें सवार बैतूल निवासी तनिष्क पिता स्व. कनिष्क नामदेव, निवासी राजेंद्र वार्ड , नैतिक ठाकुर रामनगर, के कब्जे से देशी और विदेशी मदिरा के अलग-अलग ब्रांड की कुल 07 पेटियों में 63 लीटर अवैध शराब बरामद की गई। बरामद शराब और वाहन की लगभग कीमत लगभग 4 लाख 50 हजार रुपए आंकी गई है। आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। कार्यवाही में आबकारी उप निरीक्षक गौरव पाण्डेय, सुरेन्द्र कुमार देवांगन, पूजा मालवीय एवं आरक्षक सत्येंद्र सिकरवार, भगवंत बारस्कर, अक्षय हुरडे, पूजा शर्मा, कुसुम धुर्वे सहित होमगार्ड सैनिक सुनील, योगेश और विजय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आबकारी विभाग को आरोपियों से पूछताछ के दौरान यह जानकारी भी मिली है। कि वे नर्मदापुरम जिले से शराब लाकर बैतूल शहर में अवैध रूप से बेचने वाले गिरोह से जुड़े हैं। इस गिरोह के अन्य संदिग्धों की पहचान कर ली गई है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।


## नाम परिवर्तन सूचना

मैं भरत कुमार बचले पुत्र श्री अमरलाल बचले निवासी,मकान नंबर डी1 स्टाफ क्वार्टर पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बैरागढ़ भोपाल यह घोषणा करता हूं कि मेरे बच्चों के स्कूल में मेरा नाम बी के बचले लिखा है मैं उसे सुधार कर भरत कुमार बचले करता हूं, एवं बी के बचले तथा भरत कुमार बचले एक ही व्यक्ति है।


# धर्म परिवर्तन की गूंज: बौद्ध गुरु ने दिलाई 'हिंदू देवी-देवताओं को न मानने' की शपथ



राजेश जयंत

मध्य प्रदेश के ग्वालियर में एक बार फिर धर्म परिवर्तन की गूंज ने माहौल गरमा दिया है! अंबेडकर मूर्ति विवाद की तपिश अभी ठंडी भी नहीं हुई थी कि अब बौद्ध धम्म सम्मेलन में हजारों लोगों को हिंदू देवी-देवताओं को न मानने और बौद्ध धर्म अपनाने की शपथ दिलाने का वीडियो वायरल हो गया। 'मैं ब्रह्मा-विष्णु-महेश को ईश्वर नहीं मानूंगा' जैसी प्रतिज्ञाओं से शुरू हुआ ये विवाद, सोशल मीडिया पर बहस की आग में घी डाल रहा है।

आयोजकों का दावा है कि- यह सिर्फ बाबा साहब अंबेडकर की 22 प्रतिज्ञाएं थीं, लेकिन वीडियो ने पूरे जिले में हलचल मचा दी है। ग्वालियर में एक बार फिर धर्म और आस्था पर बहस छिड़ गई है।

अभी अंबेडकर मूर्ति विवाद शांत भी नहीं हुआ था कि भितरवार के धाखड़ खिरिया गांव में हुए बौद्ध धम्म सम्मेलन का वीडियो वायरल हो गया, जिसमें बौद्धाचार्य सूरज राही ने हजारों लोगों को ब्रह्मा-विष्णु-महेश सहित किसी भी हिंदू देवी-देवता को न मानने और बौद्ध धर्म अपनाने की शपथ दिलाई।

## शपथ में कहा गया

मैं ब्रह्मा-विष्णु-महेश, राम, कृष्ण, गौरी, गणपति आदि किसी भी हिंदू देवी-देवता को ईश्वर नहीं मानूंगा, उनकी पूजा नहीं करूंगा।

मैं भगवान बुद्ध को विष्णु का अवतार नहीं मानता, ऐसे प्रचार को झूठा मानता हूं।

मैं श्राद्ध और पिंडदान नहीं करूंगा, सभी प्राणियों की समानता में विश्वास रखूंगा और बौद्ध धर्म के अष्टांग मार्ग का पालन करूंगा।

**क्या है विवाद की जड़ ?**

दरअसल, यह पूरा विवाद बाबा साहब अंबेडकर की 22 प्रतिज्ञाओं को लेकर है, जिसमें हिंदू देवी- देवताओं को न मानने की बात शामिल है। इसी वजह से हर बार ऐसे शपथ समारोहों पर बहस छिड़ जाती है।

## सोशल मीडिया का माहौल

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होते ही इस पर बहस छिड़ गई। कुछ लोग इसे धार्मिक स्वतंत्रता बता रहे हैं, तो कई लोग इसे भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला मान रहे हैं।

## आयोजकों की सफाई

आयोजकों का पक्ष है कि यहां सिर्फ बाबा साहब अंबेडकर की 22 प्रतिज्ञाएं दिलाई गईं, किसी की भावना आहत करना मकसद नहीं था। उन्होंने कहा, किसी को जबरन धर्म परिवर्तन के लिए बाध्य नहीं किया गया।

फिलहाल प्रशासन ने मामले पर नजर रखी है और कहा है कि कोई शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। यह घटना एक बार फिर आस्था, अभिव्यक्ति की आज़ादी और सामाजिक बदलाव की बहस को हवा दे रही है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में आगे क्या कदम उठाता है और समाज में यह बहस किस दिशा में जाती है।


## कार्यालय नगर पालिका परिषद, इटारसी

क्रमाक/वाहन शाखा/नपाई/438 इटारसी दिनांक 09/06/2025

**द्वितीय ई निविदा सूचना**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण बेवसाइट पर देखा जा सकता है।

| क्रं. | टेण्डर पोर्टल कं | कार्य का नाम | कार्य की लागत | निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी | निविदा की अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2025_UAD_429369_1 | एक स्कारपियों सफेद कलर वाहन ए.सी. मॉडल 2025 किराये से लेना है। | 772164/- | 2000/- 7722/- | 16.06.2025 |

**नोट–** निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in की बेवसाईट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

**शर्ते–**

1. वाहन सफेद कलर का ब्राण्ड न्यू Mahindra Scorpio Ac Modal 2025 होना है।
2. वाहन किराया प्रतिमाह 21.449 से न्यूनतम दर जो सबरो कम होगी निविदादाता की एल-1 हेतु मान्य होगी।
3. निविदादाता द्वारा दी गई दर 03 वर्ष के लिए प्रभावशील रहेगी एंव कार्य संतोषजनक न होने पर निविदा निरस्त किया जा सकता है। जिसका पूर्ण अधिकार नगर पालिका परिषद इटारसी को होगा।
4. वाहन में डीजल एवं ड्रायवर निकाय का रहेगा एंव वाहन में होने वाली टूटफूट की रिपेयरिंग निविदादाता की होगी।
5. वाहन पूर्णत ए.सी. (वातनाकूलित) सहित हो।
6. वाहन में सभी आवश्यक सुविधाएं चालू हालत में हो।
7. वाहन परिवहन से सबंधित समस्त जीवित पंजीयन होना आवश्यक है। अन्य आवश्यक जानकारी एंव शर्ते नगर पालिका परिषद इटारसी के वाहन शाखा में देखी जा सकती है।

**नगर पालिका अधिकारी**
**नगर पालिका परिषद, इटारसी**

# एमपी की इस नदी पर बनेगा 1400 करोड़ की लागत से बांध, स्थानीय लोगों को मिलेगा रोजगार



**भोपाल।** मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को जबलपुर जिले के आदिवासी क्षेत्र कुंडम स्थित कुंडेश्वर धाम में जनहित से जुड़े कई विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने नवनिर्मित सांदिपनी विद्यालय और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) भवन का लोकार्पण किया।

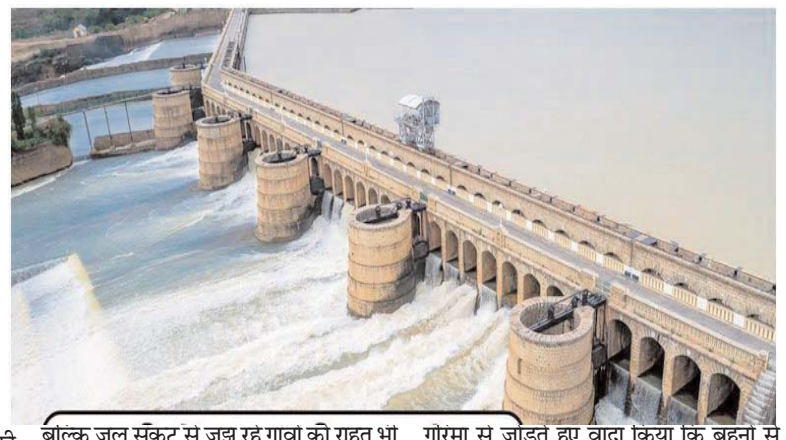

यह कार्यक्रम न सिर्फ शिक्षा और कौशल विकास की दिशा में अहम कदम है, बल्कि क्षेत्र के आदिवासी समुदाय को सशक्त बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण प्रयास है। इस समारोह में मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के लिए एक बड़ी परियोजना की घोषणा करते हुए कहा कि गौर नदी पर 1400 करोड़ रुपये की लागत से एक विशाल बांध का निर्माण किया जाएगा। यह योजना जबलपुर के कुंडम क्षेत्र के साथ-साथ मंडला जिले के ग्रामीण इलाकों को भी सिंचाई और पेयजल की सुविधा प्रदान करेगी। इससे न सिर्फ कृषि को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि जल संकट से जूझ रहे गांवों को राहत भी मिलेगी। मुख्यमंत्री ने लाड़ली बहना योजना की चर्चा करते हुए कहा कि इस योजना के तहत मिलने वाली सहायता राशि में रक्षाबंधन के अवसर पर बढ़ोत्तरी की जाएगी। उन्होंने इस योजना को महिलाओं की आत्मनिर्भरता और गरिमा से जोड़ते हुए वादा किया कि बहनों से किए गए सभी वादों को सरकार पूरी निष्ठा से निभाएगी। डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार न केवल उन्नत खेती को बढ़ावा दे रही है बल्कि औद्योगीकरण की दिशा में भी ठोस कदम उठा रही है। इससे प्रदेश के विकास की रफ्तार तेज होगी और युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर मिलेंगे। किसानों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने और उन्हें आधुनिक तकनीकों से जोड़ने के लिए सरकार निरंतर काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने सांदिपनी विद्यालय परिसर में अपनी माता के नाम पर नीम का पौधा रोपित कर पर्यावरण और संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह विद्यालय आदिवासी क्षेत्र के बच्चों के लिए शिक्षा का केंद्र बनकर उन्हें वैश्विक मंच पर पहचान दिलाने का कार्य करेगा। वहीं आईटीआई के जरिए युवाओं को तकनीकी शिक्षा देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जाएगा।

सीएम ने श्रीकृष्ण के जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने भी शिक्षा को सर्वोपरि स्थान दिया था। भगवान श्रीकृष्ण ने 64 कलाओं, 14 विद्याओं और 18 पुराणों का अध्ययन कर शिक्षा के महत्व को दर्शाया। वे केवल विद्यार्थी ही नहीं रहे, बल्कि अपने जीवन में गुरू की भूमिका भी निभाई। यह हमें शिक्षा की गहराई और समाज निर्माण में उसके योगदान की प्रेरणा देता है।

**भोपाल।** नाबार्ड मध्यप्रदेश क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल द्वारा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, हस्तशिल्पियों और कृषक उत्पादक संघों द्वारा तैयार उत्पादों की बिक्री के लिए एक प्लैटफ़ार्म उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्ष 2018 से हर वर्ष एक राष्ट्रस्तरीय प्रदर्शनी सह बिक्री का आयोजन सफलतापूर्वक किया जा रहा है। इसी के तहत नाबार्ड आम महोत्सव 0.8 में कई तरह के आम की प्रदर्शनी लगाई गई है।

# सोने के भाव में गिरावट, चांदी की कीमतों में फिर बदलाव देखने को मिला

**मुंबई, एजेंसी।** क्या आप सोना या चांदी खरीदने का प्लान कर रहे है? यदि ऐसा है तो पहले मंगलवार का ताजा भाव आपको जान लेना चाहिए। बता दें कि आज यानी 10 जून को सोने चांदी की कीमतों में फिर बदलाव देखने को मिला है। आज सोने के भाव में 10 रूपए प्रति 10 ग्राम की गिरावट आई है और चांदी के दामों में 100 प्रति किलो की तेजी आई है। अब नई कीमतों के चलते सोने के दाम 97,830 के आसपास और चांदी के भाव 1,08,100 पर कारोबार कर रहे है। बता दें कि आज मंगलवार को सराफा बाजार की ओर से जारी किए गए सोने और चांदी के नए



भाव के अनुसार आज 10 जून 2025 को 22 कैरेट सोने के दाम 89,690, वहीं 24 कैरेट का भाव 97,830 और 18 ग्राम सोने का रेट 73,380 रुपए पर कारोबार कर रहे है। वहीं 1 किलो चांदी का रेट 1,08,100 रुपए चल रहा है।

18 कैरेट सोने का आज का भाव दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 73,380/- रुपये। कोलकाता और मुंबई सराफा बाजार में 73,260/- रुपये। इंदौर और भोपाल में सोने का भाव 73,300/- चल रहा है। चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 73,600/- रुपये पर ट्रेड कर रही है।

22 कैरेट सोने का आज का भाव भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 89590/-रुपये । जयपुर, लखनऊ, दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 89,690/- रुपये । हैदराबाद, केरल, कोलकाता, मुंबई सराफा बाजार में 89,540/- रुपये ट्रेंड कर रहा है।

24 कैरेट सोने का आज का भाव भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 97,730/- रुपये। दिल्ली जयपुर लखनऊ और चंडीगढ़ सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 97,830/- रुपये। हैदराबाद, केरल, बैंगलुरू और मुंबई सराफा बाजार में 97,680/- रुपये । चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 97,580/- रुपये पर ट्रेंड कर रहा है।

## अपर मुख्य सचिव गृह विभाग ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के लिए लीलाधर बरखानिया को सम्मानित किया



**भोपाल।** संदीपनी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोविंदपुरा में कार्यरत उच्च माध्यमिक शिक्षक लीलाधर बरखानिया को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और समर्पण के लिए मध्य प्रदेश अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिकारी कर्मचारी संघ के प्रांत अध्यक्ष एवं अपर मुख्य सचिव गृह विभाग `.एन. कंसोटिया ने 8 जून को गांधी भवन में आयोजित प्रांतीय अधिवेशन में सम्मानित किया। लीलाधर बरखानिया ने इस अवसर पर कहा कि अपर मुख्य सचिव महोदय श्री जे.एन. कंसोटिया की प्रेरणा से विगत कई वर्षों से ग्रामीण क्षेत्रों में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान चलाकर कई बेटियों को निशुल्क कोचिंग देकर उनको विद्यालय जाने के लिए प्रेरित किया है इस अभियान में लगभग 300 से अधिक बालिकाएं लाभान्वित हुई है एवं इस सम्मान से मिला प्रोत्साहन मेरे कार्यों को और गति देगा।

# धोखे की डिग्री! 'बी' ग्रेड बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी की पीएचडी फैक्ट्री का नया खुलासा

**भोपाल।** एमईआई वर्ल्ड रैंकिंग 2025 में शैक्षणिक गुणवत्ता, रिसर्च और सामाजिक प्रभाव जैसे मानकों पर जगह बनाने वाला बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय (बीयू) अब विवादों में है। जिस विश्वविद्यालय को देश-विदेश में सम्मानित किया जा रहा है, वहीं पीएचडी जैसी उच्चतम डिग्री देने में लापरवाही और नियमों की अनदेखी का गंभीर मामला सामने आया है।

मप्र लघु वनोपज संघ की संविदा वैज्ञानिक विजेयता श्रीवास्तव का मामला इस गड़बड़ी का ताजा उदाहरण है। बिना विभागीय अनुमति और वैधानिक अवकाश लिए हुए ही वे पीएचडी कर रही थीं। इसका खुलासा करीब दो महीने पहले हुआ। इसके बाद विवि को अंतिम समय में उपाधि देने की प्रक्रिया रोकनी पड़ी।

### 4 अप्रैल को तय थी मौखिक परीक्षा

शोधार्थी की मौखिक परीक्षा के लिए 4 अप्रैल को विक्रम यूनिवर्सिटी उज्जैन के प्रोफेसर डॉ. डीएम कुमरावत समेत चार सदस्यों का पैनल गठित किया गया था। विवि ने क्क्चाष्ठ उपाधि देने की सारी औपचारिकताएं पूरी कर ली थीं, लेकिन ऐन मौके पर परीक्षा स्थगित करनी पड़ी।

### एक शिकायत ने खोली पोल

भोपाल निवासी प्रमोद शर्मा की शिकायत से हंगामा मचा। आरोप था कि शोधार्थी शासकीय सेवा में रहते हुए बिना विभागीय



अनुमति व अवकाश के रिसर्च कर रही हैं। शिकायत में यह भी कहा गया कि शोध में किसी तरह का प्रयोगात्मक या लैब वर्क नहीं किया गया।

### गाइड के कहने पर साइन, खुद कुछ नहीं देखा!

शिकायत की पुष्टि विवि की सहायक प्राध्यापक और सह-गाइड डॉ. अनीता तिलवारे के पत्र से हुई, जो उन्होंने गत 4 अप्रैल को ही विश्वविद्यालय के कुलसचिव को भेजा। उन्होंने लिखा कि वर्ष 2017-2024 तक छात्रा की विभाग में कोई उपस्थिति दर्ज नहीं है। उन्होंने सिर्फ मुख्य गाइड प्रो. रितु ठाकुर के कहने पर थीसिस पर हस्ताक्षर किए।

तो फिर कैसे मिली थीसिस को मंजूरी?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब रिसर्च हुआ ही नहीं, लैब वर्क और उपस्थिति का कोई रिकॉर्ड नहीं, तो मुख्य गाइड ने थीसिस को लिखित मंजूरी कैसे दे दी? विवि प्रशासन और संबंधित अधिकारी इस पर चुप्पी साधे हुए हैं। प्रो. ठाकुर ने इतना कहकर पल्ला झाड़ लिया कि मैंने अपना काम ईमानदारी से किया है। वहीं,बीयू माइक्रोबायलॉजी विभाग प्रमुख अनीता तिलवारे ने कहा कि उन्हें जो कहना था,वह पत्र के जरिए कुल सचिव को बता चुकी हैं। वहीं,विवि के कुलगुरू प्रो.केसी जैन ने कहा कि वह प्रकरण की नस्ती देखकर ही कुछ बता पाएंगे।

### शानदार रैंकिंग के पीछे की सच्चाई

बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी को भले ही अंतरराष्ट्रीय मंच पर शैक्षणिक उत्कृष्टता का तमगा मिला हो, लेकिन ऐसी घटनाएं यह सवाल उठाने पर मजबूर करती हैं-क्या यह सम्मान सिर्फ आंकड़ों का खेल है?

सेंसर टेक्नोलॉजी पर संयुक्त केंद्र बनेगा

## IIT भिलाई का जर्मनी की यूनिवर्सिटी ऑफ सीजेन के साथ रिसर्च

**रायपुर।** जून में उमस भरी गर्मी से परेशान हो चुके प्रदेश के लोगों को राहत देने के लिए बंगाल की खाड़ी में राहत का सिस्टम यानी चक्रीय चक्रवाती घेरा तैयार हो चुका है। इसके प्रभाव से दो दिन में बारिश की गतिविधि शुरू होगी और 15 जून तक दक्षिण-पश्चिम मानसून के सक्रिय होने की संभावना है। अभी वातावरण में मौजूद नमी और तेज गर्मी के प्रभाव से बादल छा रहे हैं, जो कुछ स्थानों पर प्री-मानसून का कारण बन सकते हैं। दक्षिण-पश्चिम मानसून पिछले 11 दिन से दंतेवाड़ा में अटका पड़ा है और प्रदेश में बारिश की गतिविधि पूरी तरह थमने की वजह से लोग उमस वाली गर्मी से हलाकान हो चुके हैं। कमरे के भीतर उमस भरी बेचैनी और बाहर तेज धूप ने लोगों को हलाकान कर रखा है। सोमवार को आसमान पर बादल छाए रहने की वजह से अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस से आगे नहीं बढ़ पाया। बादल के कारण धूप का प्रभाव थोड़ा कम रहा, मगर उमस ने असर दिखाने में कोई कमी नहीं छोड़ी। मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है आने वाले दिनों में बारिश की गतिविधि बढ़ने से उमस भरी गर्मी से राहत मिल सकती है। वर्तमान में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव कम होने के साथ उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी-दक्षिण गंगेटिक पश्चिम बंगाल-तटीय उड़ीसा के ऊपर बना ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण अपना रूप बदलकर कम दबाव का क्षेत्र बनेगा। कल 10 जून को प्री-मानसून के रूप में एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 11 जून से अधिकतम तापमान में गिरावट का दौर प्रारंभ होने और 12 जून से वर्षा का क्षेत्र बढ़ने की संभावना है। माना जा रहा है कि 15 जून से प्रदेश में मानसून की गतिविधि तेज होगी और 15 जून के आसपास से व्यापक वर्षा संभावित है।

पिछली बार मानसून सुकमा में आकर अपनी सामान्य तारीख तक अटका हुआ था। इस बार यह दंतेवाड़ा तक पहुंचा और लंबे समय से रुका हुआ है। पिछली बार की तरह इस बार भी दक्षिण-पश्चिम मानसून 15 जून के बाद सक्रिय होकर तीन-चार दिनों में पूरे प्रदेश में सक्रिय हो जाएगा।

## सिपरी साफ्टवेयर एवं प्लानर एप का अध्ययन करने भोपाल आएगा महाराष्ट्र का 9 सदस्यीय दल

**भोपाल ।** जल गंगा संवर्धन अभियान में मनरेगा परिषद द्वारा किए गए नवाचार को देखने महाराष्ट्र सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग का 9 सदस्यीय दल दो दिवसीय दौरे पर मध्यप्रदेश आएगा। इस दल में महाराष्ट्र शासन के मंत्रालय, जिला और विकास खंड स्तर के अधिकारी शामिल है। वाटर शेड विभाग के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कमलाकर रानादेवी के नेतृत्व में दल के सदस्य 12 जून को भोपाल एवं 13 जून को रायसेन जिले के सांची विकासखंड का भ्रमण करेंगे। दल के सदस्य फील्ड में जाकर सिपरी साफ्टवेयर खेत तालाब और अमृत सरोवरों के निर्माण स्थल चयन में किस तरह से काम करता है, इसका अध्ययन करेंगे। साथ ही मनरेगा परिषद द्वारा कार्ययोजना को लेकर तैयार किए गए प्लानर ऐप के बारे में भी जानकारी प्राप्त करेंगे। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत बारिश के पानी को बचाने के लिए बनाए जा रहे खेत तालाब, अमृत सरोवर और कूप रिचार्ज पिट का कार्य भी देखेंगे। केन्द्र सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय भूमि संसाधन विभाग द्वारा बीते दिनों राष्ट्रीय समीक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया था। समीक्षा कार्यक्रम में मनरेगा आयुक्त-संचालक वाटरशेड मिशन श्री अवि प्रसाद ने मध्यप्रदेश में जल संरक्षण व संवर्धन और अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के कार्यों के चयन तथा मॉनिटरिंग के लिए किए गए नवाचार सिपरी सॉफ्टवेयर का प्रस्तुतीकरण किया, जिसकी केन्द्र सरकार के अधिकारियों द्वारा प्रशंसा की गई है। केन्द्र सरकार ने राज्य के इस नवाचार को समीक्षा कार्यवाही विवरण में रेखांकित किया है। राष्ट्रीय समीक्षा में अन्य राज्यों के प्रमुख सचिवों और मुख्य कार्यपालन अधिकारियों ने भी सिपरी की उपयोगिता की सराहना की और अपने राज्यों में भी इसके उपयोग की रुचि दिखाई। अब अन्य राज्यों से भी सिपरी के अध्ययन के संबंध में प्रस्ताव प्राप्त हो रहे हैं।

प्रदेश में पहली बार खेत-तालाब और अमृत सरोवरों के निर्माण के लिए स्थल का चयन वैज्ञानिक पद्धति से किया गया है। इसके लिए मनरेगा परिषद द्वारा सिपरी सॉफ्टवेयर की मदद ली गई है। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की मनरेगा योजना में सभी जिलों में 78 हजार 950 खेत तालाब, 99 हजार 320 कूप रिचार्ज पिट और 1 हजार 254 अमृत सरोवरों का निर्माण कराया जा रहा है। साथ ही 2 लाख 30 हजार 749 जलदूतों ने पंजीयन कराया है।

## एफडीआई में गिरावट नहीं, मंत्री गोयल बोले- 11 वर्षों में देश में आया 749 अरब डॉलर का विदेशी निवेश

**नई दिल्ली, एजेंसी।** वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने दावा किया है कि भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में गिरावट नहीं हुई है। पिछले 11 वर्षों में भारत ने 748.78 अरब डॉलर का एफडीआई आकर्षित किया । इसके अलावा, भारत में 112 देशों से एफडीआई आ रहा है।

भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में कोई गिरावट नहीं आई है। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह दावा किया है। उन्होंने कहा है कि वैश्विक ब्याज दरों में बदलाव से एफडीआई में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। मंत्री ने आगे कहा कि भारत में विदेशी निवेशकों की वृद्धि हो रही है। सरकार सुझावों के लिए तैयार है और हम एफडीआई को बढ़ावा देने वाले उपाय को अपनाएं। पिछले 11 वित्तीय वर्षों (2014-25) में भारत ने 748.78 अरब डॉलर का एफडीआई आकर्षित किया है। यह आंकड़ा 2003 से लेकर 2014 की तुलना में 143 प्रतिशत अधिक है। इन वर्षों में मात्र 308.38 अरब का ही निवेश हुआ था। इसके अलावा, एफडीआई के लिए भारत पहली पसंद बनता जा रहा है। भारत में 112 देशों से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आ रहा है। साल 2013-14 में यह संख्या केवल 89 थी। उन्होंने वैश्विक स्तर पर निवेशकों के बीच भारत की बढ़ती लोकप्रियता का संकेत दिया।

मंत्री ने कहा कि इन आंकड़ों को देखते हुए नहीं लगता कि कोई गिरावट की प्रवृत्ति है। समय-समय पर कुछ बदलाव जरूर हो सकते हैं और ऐसा अन्य देशों में ब्याज दरों में बदलाव के कारण होता है। इसलिए अगर किसी देश में बॉन्ड यील्ड अधिक हो जाते हैं, तो वहां पैसे का प्रवाह भी बढ़ जाता है। भारत में पैसा वापस आ रहा है। उन्होंने कहा कि 2024-25 में भारत को कुल 81 अरब डॉलर का एफडीआई प्राप्त हुआ । यह पिछले तीन वर्षों में सबसे अधिक है।

## सुविधाओं के नाम पर कारपेट एरिया घटा रहे बिल्डर, फ्लैट मालिकों को मिल रही रहने लायक कम जगह

**नई दिल्ली, एजेंसी।** प्रमुख शहरों की आवासीय परियोजनाओं में साझा सुविधाएं मुहैया कराने के नाम पर बिल्डरों ने कारपेट एरिया घटाकर औसत लोडिंग को 40 फीसदी तक पहुंचा दिया है। इससे पिछले कुछ?वर्षों से फ्लैट मालिकों को रहने लायक जगह कम मिल पा रही है। एनारॉक की रिपोर्ट के मुताबिक, 2019 में औसत लोडिंग अनुपात 31 फीसदी था, जो मार्च, 2025 तिमाही में बढ़कर 40 फीसदी पहुंच गया। किसी आवासीय परियोजना में साझा सुविधाओं के लिए इस्तेमाल जमीन को भी जोड़कर फ्लैट की बिक्री की जाती है। इस पूरे क्षेत्रफल को सुपर बिल्टअप एरिया कहा जाता है, जबकि फ्लैट के भीतर की जगह कारपेट एरिया कही जाती है। इन दोनों के बीच अंतर को लोडिंग अनुपात कहा जाता है। शीर्ष सात शहरों में फ्लैट की कुल जगह का 60 फीसदी हिस्सा ही रहने लायक है।?बाकी 40 फीसदी क्षेत्र लिफ्ट, लॉबी, क्लब हाउस जैसी साझा सुविधाओं में चला जाता है।? मुंबई महानगर क्षेत्र में औसत लोडिंग सबसे अधिक 43 फीसदी पहुंच गई?है, जो 2019 में 33 फीसदी थी।?चेन्नई में सबसे कम 36 फीसदी है।दिल्ली-एनसीआर में औसत लोडिंग 31 फीसदी से बढ़कर 41 फीसदी पहुंची।

# क्या,ऐसा सुधरेगा शिक्षा का स्तर ,वातानुकूलित कमरों में बैठकर बनाते है योजनाएं

**विनोद साहू बाड़ी।** शिक्षा के स्तर में सुधार का ढांचा तैयार करने बाले गुणी विद्वानों ने भिन्न-भिन्न नामों से फौज तो खड़ी कर दी परन्तु शिक्षा का स्तर रसातल की ओर बढ़ गया। मजेदार बात यह है कि मैदानी स्तर पर जिस फौज पर शिक्षा व शाला का स्तर सुधारने का दायित्व सौंपा गया है वे ही अधिकार का रौब झाड़ कर अपना स्तर सुधारने में मशगूल हो गए। इस फौज में मैदानी स्तर पर ऐसे भी कमांडर है जिनके चरित्र पर न केवल शर्मनाक कृत्य के आरोप लगे बल्कि गबन जैसे संगीन आपराधिक कृत्य के आरोपी हैं, लेकिन ऊपर वाले की कृपा से डटे हुए हैं ।

निवृतमान मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के दो दशक से भी लंबे कार्यकाल में एक समय ऐसा भी आया जब गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा पर जोर दिया गया। विभाग में पहले से चली आ रही जिला शिक्षा अधिकारी और उसके मातहत कर्मचारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी और उसके मातहत कर्मचारीयों को नाकाफी मानते हुए नियंत्रण शक्ति एवं अधिकारों का बंटवारा करते हुए जनशिक्षा केन्द्र के नाम से प्रथक-प्रथक सेना खड़ी की गई इसमें जिला समन्वयक, विकासखंड समन्वयक,जन शिक्षक जैसे पद सृजित किए गए। इनके अतिरिक्त संकुल प्राचार्य के नाम से अलग पद बनाया गया। नियंत्रण निरीक्षण, कार्यवाही के अधिकारों से लैस यह भारी-भरकम फौज मैदान में उतरी नतीजतन शालाओं में अव्यवस्था का प्रवेश हो गया। शिक्षा व शाला का स्तर सुधारने वाले अधिकार पाकर षड्यंत्र, सेटिंग, धमकाने जैसे कृत्य में मशगूल होकर अपना स्तर सुधारने में लगे गये । नियंत्रण और निरीक्षणकर्ताओं की फौज में ऐसे भी कमांडर शामिल हैं जिनके दामन पर शर्मनाक कृत्य के आरोपों के अमिट दाग हैं । गबन जैसे संगीन आपराधिक कृत्य के आरोपी हैं लेकिन ऊपर वाले की कृपा से डटे हुए हैं। हालात ये हैं कि भारी-भरकम निरीक्षणकर्ताओं की फौज के बावजूद कई शिक्षक- शिक्षिकाऐं शाला जाते ही नहीं हैं । कई अन्यत्र स्थानों में रहकर अपना निजी व्यवसाय कर रहे हैं। कहीं भाड़े के कर्मचारी सेवाएं दे रहे हैं तो कहीं ताले ही नहीं खुल पा रहे हैं । ऐसी बात नहीं है कि इस सबसे निरीक्षणकर्ताओं के सदस्य और ऊपर वाले अनभिज्ञ हो परन्तु सेटिंग और षड्यंत्र की बदौलत सब चल रहा है। वातानुकूलित कमरों में बैठे ऊपर वाले कभी इस तरफ भी नजर डालेंगे या फिर ऐसे ही शिक्षा के स्तर में सुधार लाया जाएगा।

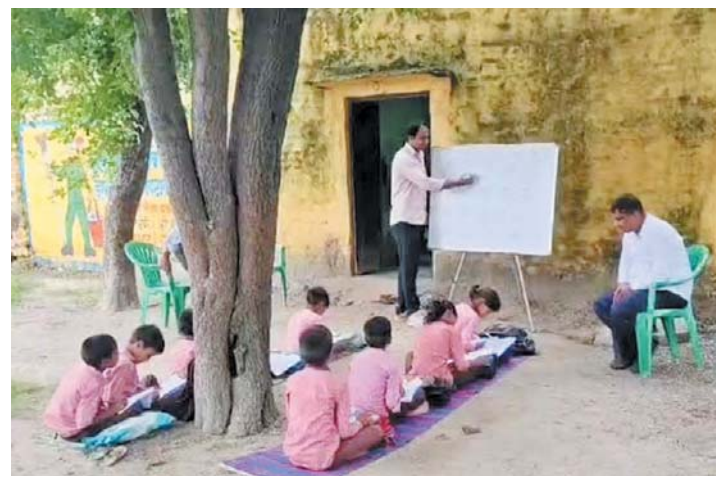

## 12 जून को जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह जिला योजना समिति की बैठक लेंगे

**छिन्दवाड़ा।** प्रदेश के लोक निर्माण विभाग मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह 12 जून 2025 गुरूवार को दोपहर 12 बजे कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में जिला योजना समिति की समीक्षा बैठक लेंगे। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिला योजना अधिकारी छिंदवाड़ा ने आयुक्त नगरपालिक निगम, परियोजना अधिकारी नगरीय विकास विभाग, उप संचालक कृषि, जिला विपणन अधिकारी, प्रभारी अधिकारी (आपदा प्रबंधन) राजस्व विभाग, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन एवं संबंधित सभी अधिकारियों से विभागीय जानकारी के साथ उपस्थिति का अनुरोध किया है।

## नाबालिग से बलात्कार महाराष्ट्र राज्य से फरार आरोपी गिरफ्तार

**छिंदवाड़ा।** पुलिस अधीक्षक छिंदवाड़ा अजय पांडे के निर्देशन मे महिला सुरक्षा शाखा प्रभारी उप पुलिस अधीक्षक प्रियंका पाण्डे, महिला थाना प्रभारी कंचन सिंह राजपूत के नेतृत्व में के महिला थाना छिन्दवाड़ा की टीम द्वारा न्यायालय एस. आई. श्रीखण्डे अतिरिक्त सेसन जज नागपुर अप.क्र. 919/21 धारा 376, 376(2)(J)(M)IPC 4,8,12 पास्को एक्ट के (आरोपी) अविनाश पिता दिनिया जी इन्द्रोरकर उम्र 27 वर्ष निवासी गुलसन नगर जैन शालेजवल,थाना कलमना नगर) जिला नागपुर (महाराष्ट्र) का गिरफ्तारी वारंटी की सूचना प्राप्त हुई थी कि उक्त मामले का आरोपी जिला छिन्दवाड़ा मे फरारी काट रहा हैं, जिसकी सम्पूर्ण जानकारी कलमना नगर थाना से प्राप्त की गई, आरोपी के वर्तमान निवास की पतासाजी की गयी, जो (आरोपी) अविनाश इन्द्रोरकर को दबिश/ घेराबंदी कर पकड़ा गया, जिसकी सूचना तत्काल थाना कलमना नगर जिला नागपुर (महाराष्ट्र) को सूचना दी गई, महाराष्ट्र पुलिस टीम की उपस्थित होने पर मामले के आरोपी को सुपुर्द किया गया!

## आज से पांच दिवसीय आम महोत्सव (मैंगो फेस्टिवल) का शुभारंभ

**छिंदवाड़ा।** राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के माध्यम से प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी 10 से 14 जून तक 5 दिवसीय आम महोत्सव (मैंगो फेस्टिवल) का आयोजन प्रदेश स्तर के साथ-साथ जिला स्तर पर भी किया जा रहा है। नाबार्ड की जिला विकास प्रबंधक (डीडीएम) श्वेता सिंह ने बताया कि नाबार्ड प्रायोजित परियोजनाओं के माध्यम से जुड़े उद्यानिकी किसानों के खेत से उत्पादित आम फलों को छिंदवाड़ा शहर के रिहायसी इलाकों मे आम की गाड़ि के द्वारा घुमाया जायेगा जिससे शहरवासी घर बैठे ही देशी तरीके से पके आमो का लुत्फ उठा सके इसे कोफे एफपीओ सृजन संस्था के माध्यम से इंप्लीमेंट किया जायेगा।

## श्री आदिनाथ जिनालय में हुआ रत्नत्रय विधान

**छिंदवाड़ा।** सोमवार के शुभ दिन मध्य प्रदेश की धर्म नगरी छिंदवाड़ा के अहिंसा स्थली गोल गंज स्थित श्री

आदिनाथ दिगंबर जिनालय में रत्नत्रय विधान का आयोजन कर सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान एवं सम्यक चारित्र की मंगल आराधना की गई। विधान की मंगल अनुमोदना करते हुए जिनशासन सेवक दीपक राज जैन ने बताया कि रत्नत्रय विधान कराने का सौभाग्य अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन के संरक्षक सर्वश्री रमेशचंद्र, प्रमोदकुमार, अभिषेक सिंघई परिवार को प्राप्त हुआ, विधान शुभारंभ पर मंगल कलश की स्थापना श्रीमती मालती सिंघई, नीति सिंघई, आराधना सिंघई द्वारा की गई। विधान की समस्त मांगलिक क्रियाएं युवा विद्वान पंडित ऋषभ शास्त्री एवं वर्धमान जैन द्वारा कराई गई।

## प्रति सोमवार को होती शिवाजी महाराज की आरती

**छिंदवाड़ा।** मराठा समाज के अराध्य देव और मराठा साम्राज्य के संस्थापक महान योद्धा छत्रपति शिवाजी

महाराज ने सम्पूर्ण समाज, उनकी सेना और लोगों को सूत्र में पिरोने का काम किया था। शिवाजी एक ऐसे शासक थे जिन्होंने धर्म, संस्कृति और न्याय को बढ़ावा दिया। शिवाजी महाराज ही बताए मार्ग का अनुसरण करते हुए छिंदवाड़ा के मराठा समाज के युवाओं ने अराध्य पूजन ग्रुप की स्थापना की है। यह ग्रुप प्रति सोमवार को शाम 6.30 शिवाजी चौक स्थिति छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित, माल्यार्पण और आरती करते है। यह सिलसिल विगत 25 सप्ताह से चल रहा है। इस सोमवार 9 जून को भी शिवाजी महाराज की प्रतिमा का पूजन और आरती की गई। कुछ युवाओं से शुरू की गई यह पहल आज समाज के मिसाल साबित हो रही है और लोग जुड़ते जा रहे है।

## प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के अंतर्गत आवेदन आमंत्रित

**छिन्दवाड़ा।** उप संचालक उद्यान छिंदवाड़ा ने बताया कि भारत सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन (पीएमएफएमई) योजना उद्यानिकी विभाग के माध्यम से संचालित है। इसके अंतर्गत प्रसंस्करण की इकाई जैसे-टमाटर से कैचप, आलू से चिप्स, पापड़, फिंगर, लहसन से चटनी, पावडर, प्याज से पावडर, एसेंस, अदरक से सौठ, पेस्ट इसी प्रकार बेकरी, गुड़घाना, डेयरी, मिष्ठान्न, नमकीन अचार, पापड़, बरी, मसाला उद्योग, पशुआहार आदि इकाई स्थापित करने पर लागत का 35 प्रतिशत या अधिकतम 10 लाख रूपये अनुदान दिये जाने का प्रावधान है। इसी प्रकार स्व-सहायता समूह एवं एफ.पी.ओ. के द्वारा यह इकाई स्थापित करने पर लागत राशि 10 करोड़ पर 35 प्रतिशत या अधिकतम 03 करोड़ अनुदान दिये जाने का प्रावधान है।

# अतिक्रमणकारियों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई अवैध निर्माण पर चली जेसीबी

### नगर निगम ने सिवनी मार्ग मुख्य सड़क से हटाया गया अतिक्रमण

**छिंदवाड़ा।** शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत सोमवार को नगरपालिका निगम की टीम ने सक्ती से हटाया, ईद और रविवार की छुट्टी के बाद निगम की टीम भी सड़क पर उतरी और सख्त रूख अपनाते हुए अतिक्रमण करने वालों पर बड़ी कार्रवाई की। अतिक्रमण हटाओं अभियान के पहले निगम के अधिकरियों ने अतिक्रमणकारियों से पहले स्वयं अतिक्रमण हटा लेने की अपील की थी लेकिन नहीं मानने पर अतिक्रमण विरोधी दस्ता ने सख्ती से कार्रवाई शुरू की और शहर के कई स्थानों पर अवैध कब्जे को तोड़ा गया इस सिवनी मार्ग पर यातायात थाने के सामने पुराना बैल बाजार के पास अतिक्रमण हटाए गए जिसके तहत व्यापारियों द्वारा दुकान के सामने बढ़ाये गए टीन शेड और अन्य अतिक्रमण पर जेसीबी से हटाया गया। कार्रवाई के दौरान एसडीएम सुधीर जैन, निगम आयुक्त सीपी राय और तीनों थाने की पुलिस बल और निगमकर्मी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। नगर निगम के आयुक्त ने अतिक्रमण करने वालों को कहा कि जो अवैध कब्जा करेगा उस पर कार्रवाई होगी। और सक्त एक्शन लिया जाएगा। हाले में हुई कुछ घटनाओं पर भी उन्होने कहा कि कोई भी व्यक्ति नियम से उपर नहीं है। शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने का लक्ष्य जारी रहेगा। कार्रवाई के दौरान एक युवक ने विरोध किया और एसडीएम से बहस करने लगा जिसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया हालाकि कुछ देर बाद उसे छोड़ दिया गया। लेकिन प्रशासनिक अमला पूरे अभियान के दौरान बेहद सख्त नजर आया।

### अतिक्रमण कर चल रही तौल कांटे की दुकान

शहर के शनिचरा बाजार गांधीगंज क्षेत्र जहां शासन द्वारा दीनदयाल रसोई का संचालन किया जाता है। लेकिन इस रसोई के ठीक बगल में नाली के स्वरूप को बदलकर एक पक्का निम्राण करते हुए तौल कांटे की दुकान संचालित की जा रही है बताया जाता है कि अतिक्रमणकारियों ने अतिक्रमण कर यहां एक दुकान बनाई है जो की तौल कांटे वाले व्यक्ति को किराए से दी गई है। जहां तौल कांटे की दुकान संचालित हो रही है। इतना बड़ा और पक्का अतिक्रमण होने के बावजूद भी अब तक जिम्मेदारी अधिकारियों ने यहां कोई कार्रवाई नहीं की है।

## दान करने से पुण्य मिलता है: संगीता किशोरी

### गांधीगंज पंचेश्वर हनुमान में चल रही रामकथा

**छिंदवाड़ा।** रामकथा कहते हुए वनवासी व्यास कथाकार ने कहा कि विवाह सनातन विधि से होना चाहिये न कि कोर्ट मैरिज से होना चाहिये सनातन विधि से किया गया विवाह में माता पिता की मर्जी की सहमति होती है। कोर्ट मैरिज में लड़के लड़की की मर्जी होती है जो बाद में सफल नहीं होती हम देख रहे हैं कि देश में लव जिहाद की घटनाएं हो रही हैं इससे युवतियां एवं परिवार वालों को सर्तक रहना चाहिए। गांधीगंज पंचेश्वर हनुमान मंदिर में एकल अभियान हरिकथा योजना के तहत श्री रामकथा में संगीता किशोरी ने राम जन्म का वर्णन किया भगवान ने बालक रूप में जन्म लिया और अयोध्या में खुशियां ही खुशियां हो गई। उन्होने कहा कि 100 काम छोड़ भोजन करना चाहिए हजार काम छोड़ स्नान करना चाहिये सूर्यउदय के पूर्व स्नान संत स्नान, सूर्य उदय के बाद मानव स्नान, एवं दोपहर में स्नान दानव स्नान कहलाता है। उन्होने दान की महिमा का उल्लेख करते हुए कहा कि जीवन में दान जरूर करनाा चाहिये दान करने का फल 10 गुना ज्यादा मिलता है। दान उन्हीं को देना चाहिये जिससे उसका सदउपयोग हो। संगीता किशोरी के साथ सरिता किशोरी, निर्मला कुमारी, जानता कुमारी, संगत में डमरूघर, भोलाकुमार एवं नागेश्वर साथ दे रहे हैं। भाजपा नेता योगेश सदारंग एवं जीतेश्या अग्रवाल एवं एकल के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## खोरा महादेव नदी एवं तालाब में किया श्रमदान

### रैली के माध्यम से दिया जल बचाने संदेश

**छिंदवाड़ा।** जल के महत्व को जन जन तक पहुचाने हेतु जल गंगा संवर्धन अभियान पर जागरूकता कार्यक्रम मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकास खंड बिछुआ के सेक्टर क्रमांक 04 की नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति चंद्रिकापुर के तत्वावधान मे जल गंगा संवर्धन पर जागरूकता कार्यक्रम जिला समन्वयक अखिलेश जैन के निर्देशन मे किया गया । संस्था के अध्यक्ष जितेंद्र केवटे ने बताया की आयोजित श्रमदान शिविर मे विकास खंड समन्वयक दीपक गेडाम, परामर्शदाता श्यामल राव, लक्ष्मी धर माहोरे , रामराज वर्मा, उपस्थित थे । श्रमदान के उपरांत जल संवाद करते हुए, परामर्शदाता श्यामल राव ने बताया की उक्त नदी का उदगम स्थानीय पहाड़ियों से निकलकर घने जंगलो से होकर जाम नदी मे जाकर मिलती हे । उक्त नदी मे बरसात के समय पानी का भरावा रेहता हे पर अप्रेल के माह मे नदी एवं तालाब का पानी खत्म हो जाता हे।वर्तमान मे सूखी नदी मे आसपास के ग्रामो से

उड़कर प्लास्टिक पन्नी कूड़ा करकट जमा हो जाते हे जो नदियों को प्रदूषित करती हे साथ ही जंगलो मे पल रहे वन्यजीव के जीवन को भी संकट मे डालते हे । इसलिए हम सबने मिलकर श्रमदान ।कर नदी पर बगरे पन्नीया ओर कचरे को बीनकर सफाई कार्य किय।साथ ही तालाब का गहरी करण एवं बेसरम की सफाई की । विकास खंड समन्वयक दीपक गेडाम ने बताया की आज जन अभियान परिषद के सी एम सी एल डी पी के छात्र ,नवांकुर समिति, एवं ग्रामीणों की सहभागिता से तालाब की गाद को श्रमदान कर निकाला गया जिससे आने वाले समय मे पर्याप्त जल का भराव अच्छा होगा ओर उस क्षेत्र मे पल रहे जीव जंतुओं को जीवन भी सुरक्षित होगा ,जब जीव जंतु सुरक्षित रहेगा तो वंहा का जंगल भी सुरक्षित रहेगा।

## खतरादेव तिराहा सड़क को खोदकर फेंका, तिराहा कब बनेगा

**छिंदवाड़ा।** छिंदवाड़ा-नरसिंहपुर नेशनल हाईवे पर खतरादेव तिराहे से चौखड़ा से अजनिया मार्ग जाता है, किसान कांग्रेस के

जिलाध्यक्ष चौधरी पुष्पेन्द्र सिंह ने बताया कि उक्त मार्ग और तिराहे से जिले भर के किसान मण्डी की ओर आवागमन करते हैं। उक्त तिराहे के बीच में यात्री प्रतिक्षालय बना है जहॉ से एक ओर अजनिया मार्ग और दूसरी ओर सारना मार्ग जाता है, अर्थात एक ओर राईट टर्न एवं दूसरी ओर लेफ्ट टर्न जाता है। उक्त सड़क वार्ड क्र. 9 और 16 के अंतर्गत नगर निगम में आती है, निगम के द्वारा 6 माह पूर्व चौखड़ा से अजनिया सड़क तो बना दी गई लेकिन सारना की ओर जाने वाले राईट टर्न तिराहे को खोदकर फेंक दिया गया, जिसे बनाने का नाम निगम नहीं ले रहा है, अनेकों बार शिकायतें करने के बाद भी तिराहे पर सड़क निर्माण कार्य नही किया जा रहा है, इससे यातायात में समस्या उत्पन्न हो रही है, और दुर्घटना की संभावना बनी रहती है, उन्होनें किसान कांग्रेस की ओर से उक्त तिराहे पर सड़क निर्माण कर उसे पक्का किये जाने हेतु जिला कलेक्टर एवं आयुक्त नगर निगम को ज्ञापन प्रेषित किया है।

## सात फेरे लेने के बाद पति संग परीक्षा केंद्र पहुची दुल्हन वसुधा

**सौसर।** अगर लगन हो तो रास्तें खुद-ब-खुद बन जाते है, शादी के सात फेरे लिये, घडी देखी और सीधा परीक्षा केन्द्र पहुच गई दुल्हन ने अपने सुनहरे कल के

सपने को उत्तर पुस्तिका के लाईनों में अंकित कर दिया। एक अनोखी मिसाल बनी दुल्हन वसुधा जैसा शिक्षा के प्रति ऐसा समर्पण कम ही देखने को मिलता है। लाल जोडे में सजी, हाथों में मंहदी, माथे पर सिंदुर और गले में मंगलसूत्र में आमतौर पर इस रूप में दुल्हन विदा होकर ससुराल जाती है। सात फेरे लेकर षादी की सभी रस्में पुरी करने के बाद वसुधा अपने जीवन साथी ऋषभ पालीवाल के साथ शासकीय महाविद्यालय सौसर पहुची तथा बीएड की परीक्षा दी। वसुधा एक निजी शिक्षा संस्था संचालक प्रशांत वाडेकर एवं हीना वाडेकर की पूत्री है। जिसका विवाह ऋषभ पालीवाल के साथ सम्पन्न हुआ। यह दुल्हन इस बात का प्रतीक बन गई कि, अगर इरादे मजबूत हो तो कोई भी परिस्थिति पढाई के रास्तें में बाधा नही बन सकती। परीक्षा केन्द्र में जब अन्य परीक्षार्थी सजी संवरी दुल्हन को उत्तर पुस्तिका भरते हुये देख रहे तो सभी की नजरे ठहर गई, लेकिन कलम रूकी नही। उसके चेहरे पर एक अनोखा आत्मविष्वास था। जो बता रहा था कि, यह दुल्हन सिर्फ घर नही भविष्य भी संवारने आई है। वसुधा ने बताया कि, शिक्षा एक पडाव हो सकता है, लेकिन पढाई एक यात्रा है। षिक्षा किसी रस्म के आगे नही झुकती। एक षिक्षित महिला ही परिवार और समाज को आगे बढाती है।

## तीन माह का खाद्यान्न एकमुश्त वितरण का किया गया शुभारंभ

**छिन्दवाड़ा।** जिला आपूर्ति अधिकारी छिंदवाड़ा ने बताया कि खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग भोपाल द्वारा जारी निर्देशानुसार माह जून-2025, जुलाई-2025 एवं अगस्त-2025 तीन माह की पीडीएस के अंतर्गत पात्रतानुसार राशन सामग्री का एकमुश्त वितरण कराये जाने के निर्देश हैं । इस संबंध में आज स्थानीय शासकीय उचित मूल्य दुकान सुकलूढाना के वार्ड नंबर-18 में छिंदवाड़ा सांसद श्री विवेक बंटी साहू के साथ जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत पंजीकृत हितग्राहियों को माह जून-2025, जुलाई-2025 एवं अगस्त-2025 तीन माह का खाद्यान्न एकमुश्त वितरण का शुभारम्भ किया गया । कार्यक्रम के दौरान सांसद श्री साहू द्वारा आमजन से चर्चा करते हुये हितग्राहियों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के संबंध में भी अवगत कराया गया । उन्होंने सभी पात्र हितग्राहियों से अपील की है कि वे संबंधित उचित मूल्य दुकान में उपस्थित होकर माह जून-2025 से अगस्त-2025 तक तीन माह की एक मुश्त राशन सामग्री प्राप्त करें।

### जल स्रोतों के पास साफ-सफाई कर किया पौधरोपण

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार म.प्र. जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक अखिलेश जैन तथा विकासखंड समन्वयक संजय बामने के मार्गदर्शन में तामिया विकासखंड में परामर्शदाता श्रीमती स्वाति सूर्यवंशी के नेतृत्व में विश्व पर्यावरण दिवस 2025 की थीम एंड प्लास्टिक पॉल्यूशन के अंतर्गत ग्रामवासियों को सिंगल यूज प्लास्टिक से होने वाले हानिकारक परिणामों को बताकर जागरूक किया गया। पर्यावरण को प्रभावित करने वाले कारक जैसे जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण को रोकने के लिये समुदाय की भागीदारी के बारे में बताया गया।

## बैडमिंटन स्पर्धा के समापन में विजेता उपविजेता होंगे पुरस्कृत

**छिंदवाड़ा।** जिला स्तरीय बैडमिंटन सीनियर जुनियर प्रतियोगिता के फाइनल चरण के मैचों का आयोजन ओलिंपिक स्टेडियम में आज सम्पन्न होगा जिसमें जिले भर के जुनियर व सीनियर महिला पुरुष खिलाड़ियों ने भाग ले कर फाइनल में जगह बनाई स्पर्धा सचिव जावेद खान ने बताया कि 10 जून को 3 सिंथेटिक बैडमिंटन कोर्ट पर फाइनल मुकाबले खेले जावेंगे इसी दौरान आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए जिले की 22 सदस्यीय टीम का चयन भी किया जाएगा आज खेले गए जुनियर सीनियर मैचों में फिर से कोयलांचल व छिंदवाड़ा नगर का दबदबा बरकरार रहा 10 जून को आयोजित समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में अधिकारीगण, जनप्रतिनिधिगण , जिला बैडमिंटन संघ के पदाधिकारी उत्साहवर्धन हेतु उपस्थित रहेंगे आज के मैचों में चयनकर्ता एवं निर्णायक के रूप में जावेद खान,राकेश चौरसिया, अक्षय मक्कड़ ,अतिकेश मेहता, रत्नेश दुबे, अक्षत शुक्ला,अश्वंत मार्को , पार्थ चौकसे , निकुंज डेहरिया, भाविक धुर्वे, भविष्य सूर्यवंशी, वैभव वाडिवा, यशवीर सिंह , उपस्थित थे स्पर्धा अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह बैंस ने बताया कि 10 जून को समापन अवसर पर खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को कैश प्राइज , मेडल , ट्रॉफी और टीशर्ट से सम्मानित किया जाएगा उन्होंने खेल प्रेमियों से खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन हेतु उपस्थित रहने की अपील की है

## लोकतंत्र सेनानी संघ के जिलाध्यक्ष की बैठक 15 जून को जबलपुर में

### सभी जिलों के लोकतंत्र सेनानियों के अध्यक्ष एवं लोकतंत्र प्रहरी संयोजकों को समय पर पहुंचे का आग्रह किया

**छिंदवाड़ा।** लोकतत्र सेनानी संघ के प्रदेश सचिव एवं जबलपुर संभाग प्रभारी अजय औरंगाबादकर ने बताया कि केन्द्र सरकार ने 25 जून को ''संविधान हत्या दिवस'' घोषित किया है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आपातकाल के काले अध्याय को जनता के सामने उजागर करने के लिए प्रदेश के सभी जिलों में बड़े स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है । इन कार्यक्रमों में भारतीय जनता पार्टी के साथ लोकतंत्र सेनानी भी आपातकाल की जुल्म और ज्यादतियों से जनता को अवगत करायेंगे। इसी तारतम्य में जबलपुर संभाग के सभी लोकतंत्र सेनानी संघ के जिलाध्यक्ष की एक आवश्यक बैठक दिनांक 15/06/2025 दिन रविवार दोपहर 11 बजे संभागीय भाजपा कार्यालय जबलपुर में प्रदेश अध्यक्ष तपन भौमिक की अध्यक्षता में बैठक होगी। संविधान हत्या दिवस के कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रदेश स्तर पर 5 नेताओं की समिति बनाई है। जिसमें आलोक शर्मा सांसद को भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग तपन भौमिक को जबलपुर और सागर संभाग, श्रीमती माया नारोलिया राज्यसभा सांसद को ग्वालियर और चंबल संभाग, लोकेन्द्र पाराशर को रीवा और शहडोल संभाग और यशपाल सिंह सिसोदिया को उज्जैन और इंदौर संभाग 25 जून को आयोजित कार्यक्रमों की जिम्मेदारी सौंपी गई है । औरंगाबादकर ने सभी जिलों के लोकतंत्र सेनानियों के अध्यक्ष एवं लोकतंत्र प्रहरी संयोजकों को समय पर पहुंचे का आग्रह किया है।

## टीएल बैठक में की समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा

खरगोन। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आकाश सिंह ने 09 जून को टीएल बैठक में समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में एसडीएम श्री बीएस कलेश, डिप्टी कलेक्टर श्री प्रताप कुमार आगास्या, सुश्री पूर्वा मण्डलोई एवं सभी विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में भीकनगांव, महेश्वर, बड़वाह, कसरावद एसडीएम, सभी तहसीलदार एवं सभी जनपद सीईओ वीसी के माध्यम से उपस्थित थे। बैठक में सर्वप्रथम सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की गई। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आकाश सिंह ने 300 दिन एवं 100 दिनों की लंबित शिकायतों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। सभी एसडीएम को निर्देशित किया गया कि 50 दिन से अधिक की लंबित शिकायतों पर तत्परता के साथ कार्यवाही करें। सभी जनपद सीईओ को निर्देशित किया गया कि जिन लंबित शिकायतों को जिला स्तर से बंद किया जाना है, उनके प्रस्ताव प्राथमिकता से भेजे जाए। बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की गई। इस अभियान के अंतर्गत खेत तालाब निर्माण में प्रगति अत्यंत कम पाये जाने पर जनपद पंचायत खरगोन, महेश्वर, भीकनगांव के जनपद सीईओ श्री मनोज निगम, श्रीमती रीना चौहान व श्रीमती पूजा मालाकार एवं सहायक यंत्री श्री महेश जोशी, श्रीमती पूजा नान्द्रे व श्री महेश सोलंकी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। महेश्वर विकासखण्ड में कूप रिचार्ज के कार्यों की अत्यंत धीमी प्रगति पर जनपद सीईओ श्रीमती रीना चौहान एवं सहायक यंत्री श्री महेश सोलंकी का 01 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए।

## एमपी हॉकी अकादमी के लिए हुआ ट्रायल

### दो जिलों से 80 खिलाड़ी हुए शामिल

**सांध्य प्रकाश-इटारसी।** सोमवार को शहर के गांधी मैदान पर मप्र हाकी अकादमी द्वारा अंडर-18 वर्ग खिलाड़ियों के चयन हेतु ट्रायल का आयोजन किया गया। इस चयन समिति में चयनकर्ता के रूप में पूर्व ओलिंपियन एवं मप्र हाकी अकादमी के हेड कोच समीर दाद, सहायक कोच लोकेन्द्र शर्मा एवं फिजीशियन आरिफ खान ने यहां बैतूल, इटारसी एवं नर्मदापुरम से आए खिलाड़ियों की प्रस्तुति देखी, इसके आधार पर चयन प्रकिया पूरी की गई। जिला हाकी संघ के सचिव कन्हैया गुरयानी ने बताया कि आज मंगलवार को गांधी मैदान पर संचालित हाकी फीडर सेंटर के लिए बच्चों के लिए ट्रायल रखा गया है। यह प्रकिया सुबह 7:30 बजे से मैदान पर प्रारंभ होगी। ट्रायल के दौरान शामिल होने आए बच्चों ने अपनी प्रस्तुति दी। चयनकर्ताओं ने एक-एक खिलाड़ी की शारीरिक दक्षता, सक्रियता एवं मैदान पर हाकी स्टिक से की जाने वाली मेहनत पर फोकस किया, इसके अलावा अन्य बिंदुओं पर भी चयन किया गया। इटारसी आए चयनकर्ताओं का हाकी संघ सचिव कन्हैया गुरयानी, डीएचए संरक्षक एससी लाल, दीप सिंह ठाकुर, नंदकिशोर उस्ताद, जयराज सिंह भानु, सर्वजीत सिंह सैनी, आशीष शर्मा, आरिफ खान, मयंक जेम्स, रवि हरदुआ, साहिल चौरे, विशाल तोमर, महबूब खान समेत अन्य खिलाड़ियों ने स्वागत किया। इस अवसर पर दाद ने कहा कि मैदान पर हाकी को लेकर बच्चों में खासा उत्साह नजर आया है, सारे खिलाड़ी बेहद संजीदगी और मेहनत से तैयारी कर रहे हैं, हमार प्रयास है कि इस ट्रायल के जरिए बेहतर खिलाड़ी मप्र हाकी अकादमी के लिए चयनित हों, जिससे भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करते हुए वे प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर हाकी में नाम रोशन कर सकें। आज फीडर सेंटर के लिए सुबह 7:30 बजे से चयन प्रकिया शुरू की जाएगी। लोकेन्द्र शर्मा ने कहा कि इटारसी में भी हाकी को लेकर बच्चों में खासा उत्साह देखा गया है, यहां नियमित रूप से बच्चे अभ्यास करने आते हैं।

## नगर पालिका में मनाई गई भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि

**सांध्य प्रकाश-इटारसी।** भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि नगरपालिका अध्यक्ष कार्यालय में मनाई गई।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने बिरसा मुंडा के तेल चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके त्याग और बलिदान को याद किया। इस दौरान भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के अध्यक्ष जयकिशोर चौधरी ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन और आदिवासी समाज के अधिकारों, स्वाभिमान और स्वतंत्रता के लिए उनके संघर्ष पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा जी का जीवन हमें संघर्ष, साहस और समर्पण की सीख देता है और उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

बता दें कि भगवान बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को हुआ था और 9 जून 1900 को रांची जेल में उनका निधन हो गया था। उन्हें धरती आबा और भगवान (ईश्वर के दूत) के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ उलगुलान (क्रांति) का नेतृत्व किया था और आदिवासी समाज के जल-जंगल-जमीन के अधिकारों के लिए संघर्ष किया था। पुण्य तिथि के अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष जय किशोर चौधरी, आदिवासी समाज युवा नेता राहुल प्रधान, भाजपा मंडल अध्यक्ष इटारसी राहुल चौरे, पुरानी इटारसी मंडल अध्यक्ष मयंक मेहतो सहित अन्य मौजूद थे।

सत्यमेव जयते

# उद्योग एवं रोज़गार वर्ष 2025

## इन्वेस्ट मध्यप्रदेश

अनंत संभावनाएं

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

## प्रदेश के कृषि फीडर्स को सौर ऊर्जीकृत करने का अभियान

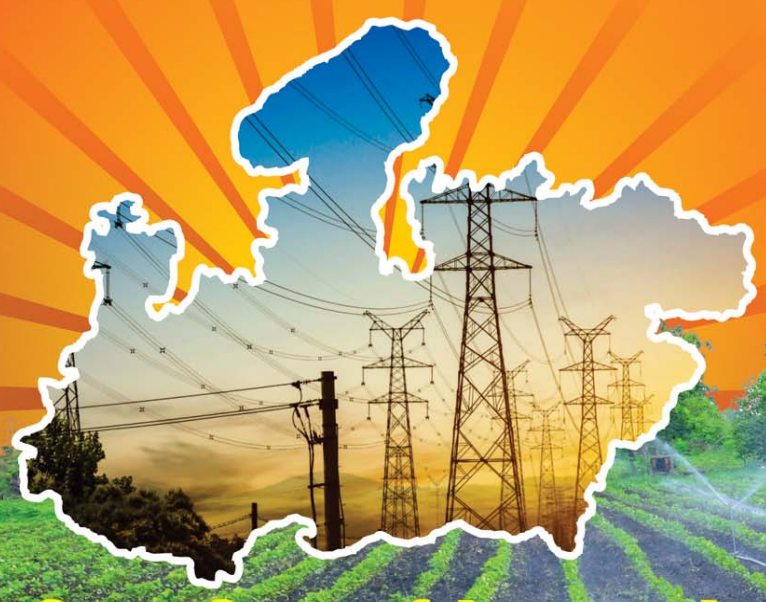

## नवीकरणीय ऊर्जा से समृद्ध होता मध्यप्रदेश

## व्यापक निवेश अवसर

# ‘सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना’ समिट

**10 जून, 2025 | प्रातः 10:00 से सायं 6:00 बजे तक**

**कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेन्टर, भोपाल**

मुख्य अतिथि

## मुख्यमंत्री, डॉ. मोहन यादव

### समिट के मुख्य आकर्षण

- सौर संयंत्रों की स्थापना हेतु जारी निविदा संबंधी जानकारी
- शासकीय संस्थाओं द्वारा अपनाई जाने वाली स्टैन्डर्ड ऑपरेटिंग प्रक्रिया की जानकारी
- बैंकों एवं इनवर्टर निर्माताओं के साथ परियोजनाओं की वित्तीय एवं तकनीकी व्यवस्थाओं पर परिचर्चा

### योजना के प्रमुख उद्देश्य

- मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी को कम मूल्य पर बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित कराना
- ट्रांसमिशन हानि कम करना एवं सीधे खपत स्थल पर बिजली पहुंचाना
- 33/11 केवी उपकेंद्रों पर ओवरलोडिंग, लो-वोल्टेज और पावर कट की समस्या कम करना
- किसान को सिंचाई के लिये दिन में बिजली उपलब्ध कराना

### नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार

- सब-स्टेशन की 100% क्षमता तक की परियोजनाओं की स्थापना
- परियोजनाओं को पीएम कुसुम-सी योजनांतर्गत उपलब्ध केंद्रीय अनुदान का लाभ लेने का विकल्प
- 1900 से अधिक विद्युत सबस्टेशन एवं 14500 मेगावॉट क्षमता सौर परियोजनाओं के चयन हेतु उपलब्ध
- पीएम कुसुम योजना में 3.45 लाख पम्प का लक्ष्य
- वोकल फॉर लोकल - स्थानीय उद्यमियों के लिए निवेश एवं रोज़गार सृजन का उचित अवसर
- वित्त पोषण की सुगमता के लिए बैंकों से समन्वय
- परियोजनाओं में AIF के तहत 7 वर्षों तक 3% ब्याज में छूट
- Reactive Power प्रबंधन से अतिरिक्त आय

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhypradesh @jansamparkMP JansamparkMP

D-11043/25

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025